RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार, 20 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 120, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हंगामेदार रहेगा मॉनसून सत्र, विपक्ष ने की केंद्र को घेरने की तैयारी

आज से मॉनसून सत्रः चढ़ावा चोरी से वांगचुक के मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष, विपक्ष के वॉकआउट पर रिजिजू बोले- किसी के अधिकारों की अनदेखी नहीं कर सकते

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मानसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में नेशनलिस्ट सिटीजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) को आमंत्रित करने के सरकार के फैसले का बचाव किया है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने अलग होकर एनसीपीआई का गठन किया है। इन बागी सांसदों को बैठक में बुलाए जाने के विरोध में कई विपक्षी दलों ने सांकेतिक वॉकआउट किया था। हालांकि, अपना विरोध दर्ज कराने के बाद वे वापस बैठक में लौट आए। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में रिजिजू ने कहा कि सरकार ने पूरी तरह से संसदीय नियमों का पालन किया है। विपक्ष के विरोध पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि एनसीपीआई ने लोकसभा अध्यक्ष से मान्यता देने का अनुरोध किया है। आप इसे कैसे नजरअंदाज कर सकते हैं? सभी को आमंत्रित करना सरकार का कर्तव्य है।

मानसून सत्र के लिए विपक्ष से सहयोग की अपील

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि सोमवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र के लिए आठ बिल सूचीबद्ध किए गए हैं। इसके अलावा यदि कोई अन्य विधायी कार्य होता है, तो उसे संसदीय नियमों के अनुसार ही लिया जाएगा। रिजिजू ने सभी दलों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि संसदीय लोकतंत्र में हर

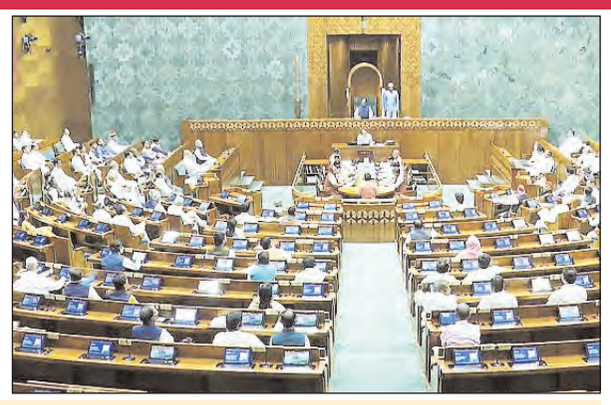

संसद में संख्या बल के आधार पर चर्चा होती है, किसी को वंचित नहीं किया जाता

संख्या बल के आधार पर चर्चा होती है, लेकिन किसी को उसके अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।

टीएमसी ने उठाए सवाल

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा एनसीपीआई बनाने वाले 20 बागी टीएमसी सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था को मंजूरी दिए जाने के बाद विपक्षी दलों ने यह वॉकआउट किया था। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने सरकार के इस कदम पर तीखे सवाल उठाए। महुआ ने कहा कि स्पीकर ने अब तक इन बागी सांसदों के विलय को मंजूरी नहीं दी है और उनके खिलाफ अयोग्यता की याचिकाएं अभी भी लंबित हैं। उन्होंने तर्क दिया कि टेबल ऑफिस द्वारा दी गई सूची में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 28 बताई गई है।

91वें संशोधन के बाद किसी अलग गुट के लिए कोई जगह नहीं बचती।

ऐसे में संसदीय कार्य मंत्री ने इन 20 बागी सांसदों को किस आधार पर आमंत्रित किया? टीएमसी के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय ने भी इस निमंत्रण पर कड़ी आपत्ति जताई।

एनसीपीआई ने विपक्ष के सामने रखी बात

टीएमसी की आपत्तियों के बीच एनसीपीआई नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने बैठक में अपनी पार्टी की भागीदारी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि पार्टी सरकार की ओर से आधिकारिक निमंत्रण मिलने के बाद ही इस बैठक में शामिल हुई है। गौरतलब है कि शनिवार को किरेन रिजिजू ने टीएमसी के बागी नेता सुदीप बंद्योपाध्याय और एनसीपीआई में शामिल हुए 19 अन्य लोकसभा सांसदों को मानसून सत्र से पहले होने वाली इस पारंपरिक सर्वदलीय बैठक के लिए आमंत्रित किया था।

राजनीतिक दल को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने बताया कि सरकार ने बैठक में विभिन्न दलों द्वारा रखे गए विचारों और सुझावों को गंभीरता से सुना है। विपक्ष के वॉकआउट पर टिप्पणी करते हुए मंत्री ने कहा कि यह केवल एक सांकेतिक कदम था। उन्हें उम्मीद है कि सभी विपक्षी दल समझदारी से काम लेंगे और सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलने देंगे।

मानसून सत्र में सरकार पेश करेगी पांच नए विधेयक

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में पांच नए विधेयक पेश करने जा रही है। इनमें आयकर और एमएसएमई सुधार, सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने और जन्म-मृत्यु पंजीकरण कानून में बदलाव से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र के दौरान सरकार आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 और सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करेगी।

इन दोनों विधेयकों के जरिए पहले जारी अध्यादेशों की जगह कानून बनाया जाएगा। इसके अलावा सरकार जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 भी सदन में पेश करेगी। आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य पहले जारी अध्यादेश का स्थान लेना है।

न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव

इसे भारत के सॉवरेन डेट मार्केट को मजबूत करने, वैश्विक पूंजी निवेश आकर्षित करने और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बीच बाजार में तरलता बढ़ाने के लिए पेश किया जा रहा है। सरकारी प्रतिभूतियों से मिलने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 के जरिए भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे में मदद करना है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास विधेयक, 2026 का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और भरोसे पर आधारित नियामकीय व्यवस्था को बढ़ावा देना, भुगतान में देरी से जुड़े मामलों के समाधान की व्यवस्था को मजबूत करना तथा राज्यों को अधिक अधिकार देना है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

25 हजार का इनामिया गोकशी का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र में हुई गोकशी की घटना के मामले में 25 हजार रुपये के इनामिया आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए जिला अस्पताल मंझनपुर भेजा गया। उसके कब्जे से एक देशी तमंचा, दो खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई को थाना चरवा क्षेत्र के ग्राम जानकीपुर, मौजा पहाड़पुर सुधवर निवासी सुशील कुमार पटेल ने सूचना दी थी कि गुगवा के बाग के पास स्थित उनके नींबू के बाग में अज्ञात लोगों द्वारा गाय का वध कर अवशेष फेंक दिए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अवशेषों के नमूने एकत्र कर पशु चिकित्साधिकारी से परीक्षण कराया। इस मामले में थाना चरवा में गोवध निवारण अधिनियम की धाराओं 3/5/8 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देश पर गठित टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी

क्रम में शनिवार की रात मुखबिर से सूचना मिली कि गोकशी की घटना में वांछित आरोपी मोइनुद्दीन उर्फ इरफान काजू चौराहे से मलाक नगर जाने वाले मार्ग पर एक बाग के पास मौजूद है।

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उसने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से दो राउंड फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान मोइनुद्दीन उर्फ इरफान पुत्र शहाबुद्दीन, निवासी ग्राम पनारा गोपालपुर, थाना सराय अकिल, जनपद कौशाम्बी के रूप में बताई।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने 10/11 जुलाई की रात अपने एक साथी के साथ मिलकर गुगवा के बाग के पास स्थित नींबू के बाग में गोकशी की घटना को अंजाम दिया था। उसने यह भी कबूल किया कि 24 जून 2026 को थाना सराय अकिल क्षेत्र के ग्राम पनारा गोपालपुर में भी अपने साथियों के साथ गोकशी की घटना में शामिल था और पुलिस के पहुंचने से पहले मौके से फरार हो गया था।

पुलिस के अनुसार, उक्त मामले में फरार चल रहे मोइनुद्दीन उर्फ इरफान पर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अपहरण का वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना खखरेरू पुलिस द्वारा अपहरण थाना खखरेरू जनपद फतेहपुर से संबंधित वांछित अभियुक्त नरेन्द्र कुमार पुत्र फेरन निषाद निवासी ग्राम डढिया मजरे नसीरपुर थाना खखरेरू जनपद फतेहपुर उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

बहू-बेटी अभियान"व्यापक स्तर पर संचालित किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमान्यु मांगलिक के निर्देशन में परित्यक्ता, तलाकशुदा, निराश्रित तथा दहेज उत्पीड़न की शिकार महिलाओं एवं बालिकाओं के उत्थान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रविवार को जनपद फतेहपुर में विशेष पहल ह्लबहू-बेटी अभियानह्वव्यापक स्तर पर संचालित किया गया।

अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों पर चौपाल, जागरूकता सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो टीमों द्वारा गांवों एवं कस्बों में महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, आत्मनिर्भरता एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।

अभियान के दौरान परित्यक्ता, विधवा, तलाकशुदा, कामकाजी महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध आदि के संबंध में जानकारी देते हुए बचाव के उपाय एवं उपलब्ध कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया गया।

इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण योजनाओं की जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–डायल 112, महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, जननी सुरक्षा 102, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 108 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930–के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

कर्नलगंज थाना में 60 किलो गांजा नष्ट किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नार कोटिक्स टास्क फोर्स अपराध शाखा व थाना कर्नलगंज पुलिस द्वारा आपरेशन दहन के अन्तर्गत 59.760 कि0ग्रा0 गांजा का विनष्टीकरण किया गया।

पुलिस ने बताया कि थाना कर्नलगंज में पंजीकृत कुल 18 मुकदमों में प्राप्त 59.760 कि0ग्रा0 गांजा (अन्तर्राष्ट्रीय अनुमानित कीमत लगभग उन्तीस लाख अट्ठासी हजार) का आपरेशन दहन के अन्तर्गत विनष्टीकरण कराया गया है।

सीआईटी की सतर्कता एवं ईमानदारी से महिला यात्री का खोया पर्स सुरक्षित वापस मिला

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में कार्यरत मुख्य टिकट निरीक्षक (सीआईटी) राजेश कुमार मीणा ने अपनी सतर्कता, ईमानदारी एवं यात्री सेवा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट परिचय देते हुए रविवार को गाड़ी संख्या 13005 में यात्रा कर रही एक महिला यात्री का खोया हुआ पर्स सुरक्षित रूप से उसके परिजनों को वापस सौंपकर सराहनीय कार्य किया।

राजेश कुमार मीणा ने बताया कि ड्यूटी के दौरान उन्हें को कोच ए-1 में एक महिला यात्री का पर्स मिला। पर्स में मोबाइल फोन, ईयरफोन, मोबाइल चार्जर, पहचान पत्र एवं नगद राशि सुरक्षित रखी हुई थी। पर्स मिलने के उपरांत उन्होंने तत्काल कोच में यात्रा कर रहे यात्रियों से जानकारी प्राप्त की।

जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि पर्स कोच ए-1 की बर्थ संख्या 39 एवं 40 पर लखनऊ से जालंधर की यात्रा कर रहे यात्रियों का है।

यात्रा के दौरान लुधियाना स्टेशन पर संबंधित महिला यात्री के पति का सत्यापन करने के उपरांत पर्स उन्हें सुरक्षित रूप से सुपुर्द कर दिया गया। यात्री द्वारा पर्स में रखे सभी सामान की जांच करने पर मोबाइल फोन, ईयरफोन, मोबाइल चार्जर, पहचान पत्र एवं नगद राशि सहित सभी वस्तुएँ सुरक्षित एवं यथावत पाई गईं।

अपना खोया हुआ पर्स सकुशल प्राप्त होने पर यात्री एवं उनके परिजनों ने भारतीय रेल तथा मुरादाबाद मंडल का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए राजेश कुमार मीणा की ईमानदारी, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

राधानगर पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास का अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। 9 जुलाई को वादी शशिकांत सोनी पुत्र रमाकांत सोनी, निवासी ग्राम सथरियांव, थाना राधानगर, जनपद फतेहपुर द्वारा थाना राधानगर पर तहरीरी सूचना दी गई कि दिनांक 08.07.2026 को रात्रि लगभग 10:30 बजे वह अपने घर पर था। इसी दौरान उसके परिचित मनोज तिवारी पुत्र सुखदेव प्रसाद तिवारी, निवासी सथरियांव, थाना राधानगर, जो अपना ट्रक जयराम नगर के पास त्रिलोकीपुर पेट्रोल पम्प पर खड़ा कर वादी को लेने हेतु बुला रहे थे। वादी उन्हें लेने मोटरसाइकिल से पेट्रोल पम्प पहुंचा। इसी बीच त्रिलोकीपुर की ओर से आ रहे मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों

ने, जो नशे की अवस्था में थे, वादी की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिससे वादी सड़क पर गिर गया।

घटना को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। कहासुनी के दौरान वादी ने अपने भाई को मौके पर बुलाया। आरोप है कि इसी दौरान दूसरे पक्ष से मो० ऐशान, मो० जीसान पुत्रगण मो० इस्लाम निवासीगण ग्राम अस्ती, थाना कोतवाली, जनपद फतेहपुर, जाफरी पुत्र सैयद आलम निवासी ग्राम अंदौली, थाना राधानगर, जनपद फतेहपुर तथा एक अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिलों से मौके पर पहुंचे तथा जान से मारने की नीयत से वादी, उसके भाई सुरजीत कुमार सोनी एवं मनोज तिवारी के ऊपर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे तीनों को सिर सहित शरीर के अन्य भागों में चोटें आई।

आरोपियों द्वारा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई तथा घायल अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गए। उपस्थित राहगीरों द्वारा घायलों को उपचार हेतु कमला नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत चिकित्सकों द्वारा उन्हें जिला चिकित्सालय, फतेहपुर रेफर कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी थरियांव के कुशल नेतृत्व में रविवार को थाना राधानगर पुलिस द्वारा विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान अभियुक्त गच्चू उर्फ इमरान उर्फ फैसल पुत्र सब्बीर अहमद निवासी ग्राम अस्ती थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर को ऋतुराज डिग्री कालेज जयराम नगर थाना राधानगर जनपद फतेहपुर के पास से गिरफ्तार किया गया ।

निःशुल्क कृत्रिम अंग पाकर दिव्यांगों के चेहरे पर लौटी मुस्कान : अमिताभ कुमार गुप्ता

कानपुर। समाज सेवा का वास्तविक उद्देश्य जरूरतमंद व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है। इसी सोच के साथ दिव्यांगजनों को निशुल्क कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे सम्मान के साथ सामान्य जीवन जी सकें। यह बातें रविवार को आयोजित कार्यक्रम में असिस्टेंट रीजनल ग्रैंड मास्टर अमिताभ कुमार गुप्ता ने कहीं।

मेसोनिक फ्रेटरनिटी की ओर से श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, कोटा (राजस्थान) एवं अपर्णा हेल्थ केयर फाउंडेशन के सहयोग से मकरावटगंज स्थित भार्गव ट्रस्ट परिसर में 'प्रोजेक्ट डिग्निटी' के तहत दिव्यांगजनों के लिए निशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में

कानपुर नगर के अलावा उन्नाव, फतेहपुर, कानपुर देहात और आसपास के जिलों से आए दिव्यांगजनों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रीजनल ग्रैंड लॉज ऑफ नॉर्दर्न इंडिया के रीजनल ग्रैंड मास्टर पुनीत सोहल ने किया। इसके बाद विशेषज्ञों की टीम ने लाभार्थियों का परीक्षण कर उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर, कैलिपर्स और अन्य उपकरण उपलब्ध कराए।

शिविर में 45 दिव्यांगजनों को कुल 56 सहायक उपकरण निशुल्क वितरित किए गए। इनमें कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर, पोलियो प्रभावित लोगों के लिए विशेष कैलिपर्स तथा व्हीलचेयर शामिल रहीं। कृत्रिम अंग प्राप्त करने के बाद कई लाभार्थियों के चेहरे पर लंबे समय बाद आत्मविश्वास और खुशी साफ दिखाई दी। विशेषज्ञों ने उपकरणों के उपयोग, रखरखाव और नियमित फॉलोअप के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी।

अमिताभ कुमार गुप्ता ने बताया कि संस्था का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर दिव्यांगजनों तक आधुनिक कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण पहुंचाना है, जिससे वे दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय अपने दैनिक कार्य स्वयं कर सकें। उन्होंने कहा कि मेसोनिक फ्रेटरनिटी लंबे समय से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़े सेवा कार्यों में सक्रिय है तथा देश-विदेश में जुड़े सदस्य भी ऐसे अभियानों में सहयोग करते हैं।

गौरक्षा दल के युवकों से विवाद के बाद अधेड़ की मौत, पुलिस जांच में जुटी

अमेठी। जिले में शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के दादूपुर गांव स्थित गौशाला में रविवार को एक अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान इन्हौना थाना क्षेत्र के बदनापुर निवासी राम दुलारे गौतम (60) के रूप में हुई है, जो मृत पशुओं की खाल निकालने का कार्य करते थे। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राम दुलारे गौतम रविवार शाम करीब 5 बजे दादूपुर गौशाला में मृत पशु की खाल निकालने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे, जिन्होंने स्वयं को गौरक्षा दल का सदस्य बताया। गौशाला के पास मृत पशुओं की हड्डियां खुले में पड़ी होने को लेकर युवकों की ग्राम प्रधान नंद किशोर से बातचीत हो रही थी। इसी बीच राम दुलारे और युवकों के बीच विवाद हो गया।

विवाद के दौरान युवकों ने राम दुलारे के साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। इसके बाद मौजूद लोग उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद संबंधित युवक मौके से चले गए।

वहीं, पुलिस का प्रारंभिक बयान इससे अलग है। शिवरतनगंज थाना प्रभारी दयाशंकर मिश्र ने बताया कि प्रथम दृष्टया जानकारी के अनुसार मृतक हड्डियों से संबंधित कार्य कर रहा था, तभी वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा।

वहां मौजूद लोग उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कौशल, सेवा और संवेदनशीलता से ही मजबूत होगी देश की स्वास्थ्य व्यवस्था : महेंद्र पाल सिंह

गोरखपुर। पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के भटहट ब्लॉक अंतर्गत ग्रामसभा पतरा स्थित लीलावती हेल्थ केयर एंड ट्रेनिंग सेंटर में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा, सिविल, जी.डी.ए. (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट), ई.एम.टी. (इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन) सहित विभिन्न नर्सिंग एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की छात्राओं के लिए भव्य प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पिपराइच विधायक महेंद्र पाल सिंह ने सफल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें सेवा, समर्पण और मानवता के मूल्यों के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर भटहट ब्लॉक प्रमुख राघवेंद्र प्रताप सिंह, पिपराइच के पूर्व ब्लॉक प्रमुख आनंद शाही सहित अन्य अतिथियों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में विधायक महेंद्र

पाल सिंह ने कहा कि किसी भी देश की मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार कुशल, प्रशिक्षित और संवेदनशील स्वास्थ्यकर्मी होते हैं। उन्होंने कहा कि नर्स केवल एक स्वास्थ्यकर्मी नहीं होती, बल्कि मरीज और उसके परिवार के लिए आशा, विश्वास और सेवा का प्रतीक होती है। इसलिए नर्सिंग का कार्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि मानव सेवा का एक पवित्र माध्यम है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय कौशल आधारित एवं व्यावसायिक शिक्षा का है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार युवाओं, विशेषकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए देश और विदेश दोनों स्तरों पर रोजगार की व्यापक संभावनाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपने प्रशिक्षण, ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा में करें तथा अपने कार्य से संस्था, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करें।

विधायक ने प्रशिक्षण केंद्र के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के संस्थान युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

महिला सुरक्षा योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं की के बारे में दी जानकारी

स्वाती मिश्रा

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक तथा समस्त क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0, साइबर जागरूकता अभियान एवं नए आपराधिक कानूनों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों तथा नए आपराधिक कानूनों की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही सास-बहू सम्मेलन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला सुरक्षा योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा सहित महिला हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं संबंधित थानों के सीयूजी नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का निर्भीक होकर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

दस हजार के इनामिया वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । 16 जनवरी को थाना कोखराज पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि घर की जमीन व सम्पत्ती के बटवारे को लेकर को मेरे बेटों पर आरोपीगणों द्वारा जान से मारने की नियत से मारपीठ व तमंचे से फायर किया गया जिससे मेरे बेटे को गंभीर चोट आयी है ।

पूर्व में 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था , फरार चल रहे अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा 10,000 /- रुपये का पुरष्कार घोषित किया गया था ।

रविवार को कोखराज पुलिस द्वारा मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 10,000 /- रुपये का इनामियां वांछित अभियुक्त विकाश पुत्र उर्फ भोला पुत्र श्रवण कुमार यादव निवासी नरेन्द्र बारा बाजार थाना व जनपद कौशाम्बी को नरेन्द्र बारा बाजार के पास से गिरफ्तार किया गया ।

वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा आबकारी अधिनियम थाना व जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त छोटेलाल पासी पुत्र शिवमोहन निवासी ग्राम पाली थाना व जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

अंडर 15 बायज सिंगल्स में आगरा के अंकुर प्रताप सिंह और गर्ल्स सिंगल्स में आर्नवी पाठक विनर

मुरादाबाद। मुरादाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन एवं अर्व बैडमिंटन अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में ब्राससिटी जिमखाना में चल रहे योनेक्स सनराइज फर्स्ट यूपी स्टेट सब जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट-2026 रविवार को समापन हुआ। चौथे व अंतिम दिन सेमीफाइनल एवं फाइनल मैच खेले गए। अंडर- 15 बायज सिंगल्स में आगरा के अंकुर प्रताप सिंह और अंडर- 15 गर्ल्स सिंगल्स में लखनऊ की आर्नवी पाठक चैंपियन बनीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह, एडीजे जितेन्द्र सिंह, निर्यातक सुधीर त्यागी, रीजनल मैनेजर इंडियन आयल लव गोयल, ब्राससिटी जिमखाना के फाउंडर डॉ संजय गुप्ता, डॉ अनंत राणा, डॉ पीके गुप्ता, अंकुश अग्रवाल, डॉ अनुराग अग्रवाल एवं अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी अर्जुन अवार्डी अभिन्न श्याम गुप्ता, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ बृजपाल सिंह यादव उपस्थित रहें।

अर्व बैडमिंटन अकैडमी के डॉ अनिल चौहान, डॉ मनीष भट्ट एवं डॉ हिमांशु यादव ने सभी स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुरादाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव सतीश शर्मा ने टूर्नामेंट संबंधी सभी व्यवस्थाओं को अच्छे अपनी देखरेख में संपन्न कराया। एसोसिएशन की तरफ से चेयरमैन अमिताभ प्रकाश, आनंद मोहन गुप्ता, विपिन गुप्ता, शश उपस्थिति रहें।

आज के टूर्नामेंट के दौरान डॉ स्मिता गुप्ता, डॉ क्षिति राणा, डॉ प्रज्ञा अग्रवाल, नीलम शर्मा, सोनू चौहान, डॉ नीतू सिंह, ऋचा भट्ट, कोच सूर्या, डॉ जी एस मटेला, अनूप शंखधर, आशुतोष शंखधर, नवीन अग्रवाल आदि उपस्थित रहें। चीफ रेड्डी अजय सिंह की देख रेख में तकनीकी समिति ने टूर्नामेंट को अच्छे से ऑर्गनाइज किया।

फाइनल के नाम परिणाम :

आयोजक डॉ हिमांशु यादव ने बताया कि अंडर 15 बायज सिंगल्स में आगरा के अंकुर प्रताप सिंह, अंडर 15 बॉयज डबल में जौनपुर के कुशाग्र रामानुज द्विवेदी और प्रयागराज के शिवांश गुप्ता।

'वामा सारथी' कार्यालय, क्रेच एवं प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस लाइन में वामा सारथी अध्यक्षा श्रीमती सोभा वर्मा द्वारा "वामा सारथी" कार्यालय, क्रेच एवं प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्षा सोभा वर्मा ने नव स्थापित कार्यालय, क्रेच एवं प्रशिक्षण केन्द्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। बताया कि यह पहल पुलिस परिवार, विशेषकर महिला पुलिसकर्मियों एवं उनके बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

उन्होंने बच्चों की सुरक्षित देखभाल, महिलाओं के कौशल विकास तथा पुलिस परिवार के कल्याण हेतु इस केन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर पुलिस लाइन के पुलिस परिवार, महिला थाना पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक (आरआई) सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। केन्द्र की विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए इस पहल की सराहना की ।

नव स्थापित कार्यालय आधुनिक कार्य सुविधाओं से सुसज्जित है, जबकि क्रेच में बच्चों की सुरक्षित देखभाल, खेल एवं प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था की गई है। वहीं प्रशिक्षण केन्द्र में महिलाओं एवं पुलिस परिवार के सदस्यों के कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

भाजपा के बूथ सम्मेलन की सफलता के लिए बनी रणनीति

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भाजपा प्रयागराज महानगर के तीनों विधानसभा क्षेत्रों शहर उत्तरी, दक्षिणी एवं शहर पश्चिमी के 22 जुलाई को होने वाले बूथ सम्मेलन को लेकर बैठक की गई। महानगर के पंद्रह बूथों में होने वाले कार्यक्रम की सफलता को लेकर बैठक में रणनीति बनाई गई। सिविल लाइन एवं खुल्दाबाद मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि 2027 की दृष्टि से ये बूथ सम्मेलन महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन को लेकर सीधे प्रदेश नेतृत्व की नजर है। प्रदेश स्तर के पदाधिकारी और संभवतः प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह इस कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। पूरी तैयारी के साथ अपने अपने मंडलों का वृत्त लेकर सम्मेलन में उपस्थित हों। बताया गया कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों का बूथ सम्मेलन एक ही दिन 22 जुलाई को आयोजित किया जाएगा लेकिन

स्थान अलग अलग रहेंगे। मंडल अध्यक्ष बूथ अध्यक्षों से संपर्क करते हुए उन्हें सम्मेलन के बारे में सूचित करने का काम पूरा कर लें। बूथ अध्यक्षों को भी अपने बूथ की पूरी जानकारी के साथ आना होगा। पन्ना प्रमुख बनाने में ढिलाई न बरतें। कई मंडलों में पन्ना प्रमुख बनाने का काम पूरा कर लिया गया है, जिन मंडलों का बचा है वे और तेजी लाएं। शिवकुटी, विश्वविद्यालय, प्रीतम नगर, वेणी माधव, भरद्वाज, राजरूप पुर, चौक, कीडगंज, नैनी आदि सभी मंडलों में बूथ सम्मेलन को लेकर पार्टी पदाधिकारियों, मंडल प्रभारियों द्वारा बैठक की गई। महामंत्री डॉ शैलेश पांडेय, विक्रमजीत भदौरिया, रमेश पासी, आनंद सोनकर, अनुज कुशवाहा, प्रमोद मोदी, विजय श्रीवास्तव, अजय सिंह, दीप द्विवेदी, अरुण पटेल, कंचनलता, आशीष गुप्ता, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, शुभम सिंह आदि विभिन्न मंडलों की बैठक में उपस्थित रहे।

हंडिया पुलिस ने दुष्कर्म व अपहरण के दो आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक

पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पर दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित विकास यादव पुत्र राम दुलार यादव निवासी ग्राम नंदापुर थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही को थाना हण्डिया पुलिस द्वारा रविवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत फौजी ढाबा के पास से गिरफ्तार किया गया ।

इसी प्रकार थाना हण्डिया पुलिस अपहरण से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त विनोद यादव उर्फ मारकण्डेय पुत्र साहबलाल यादव निवासी ग्राम तेलियातारा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस द्वारा रविवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत सैदाबाद बाजार स्थित सिरसा तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 अनूप सरोज, थाना हण्डिया. उ0नि0 विनय सिंह राठौर. का0 विवेक कुमार, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

युवक पर पंच एवं कड़े से हमला, तीन नामजद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । करेली थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर लोहे के पंच और हाथ के कड़े से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में युवक के सिर में गंभीर चोट आई। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

सदियापुर मछली मंडी निवासी राजकुमार निषाद उर्फ मन्नू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि १५ जुलाई को वह घर लौट रहे थे। आरोप है कि गुरुद्वारे के पास मोहल्ले के अंकित उर्फ गोलू निषाद, अर्पित निषाद और उनके साथी आयूब ने उन्हें रोक लिया। तीनों ने गाली-गलौज करते हुए हाथ के कड़े और लोहे के पंच (मुढ़िया) से हमला कर दिया। हमले में उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग जुटने लगे तो आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। पीड़ित का आरोप है कि आरोपित पहले भी उनके घर में घुसकर मारपीट और गाली-गलौज कर चुके हैं।

21 जुलाई को 'डेरा डालो, घेरा डालो' किसान महापंचायत

सिविल लाइंस के पत्थर गिरजाघर में जुटेंगे किसान, खाद, बिजली, स्मार्ट मीटर, भूमि अधिग्रहण समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की ओर से किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 21 जुलाई को सिविल लाइंस स्थित पत्थर गिरजाघर में 'डेरा डालो, घेरा डालो किसान सम्मान महापंचायत' का आयोजन किया जाएगा। महापंचायत सुबह 10:30 बजे शुरू होगी, जिसमें बड़ी संख्या में किसान, मजदूर, युवा और मातृशक्ति के शामिल होने का दावा किया गया है।

भाकियू के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि महापंचायत में भारत-अमेरिका ट्रेड डील रद्द करने, किसानों को समय पर पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने, बिजली के निजीकरण पर रोक लगाने और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई जाएगी। इसके अलावा गलत बिल देने वाले स्मार्ट मीटर हटाकर मैन्युअल मीटर लगाने, प्राथमिक विद्यालयों के विलय पर रोक लगाने, जर्जर विद्यालय भवनों का निर्माण कराने तथा आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग भी प्रमुखता से रखी जाएगी।

महापंचायत में किसानों की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण नहीं किए जाने, प्रभावित किसानों को न्याय दिलाने, बारा पावर प्लांट से प्रभावित किसानों से किए गए वादे पूरे कराने सहित किसानों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

किन्नर गुटोंके विवादमें नया मोड़, दूसरे पक्षसे भी एफआईआर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। किन्नर के गुटों में विवाद मामले में नया मोड़ आ गया है। अब महामंडलेश्वर छोटी गुरु उर्फ कल्याणी उर्फ छोटी चौरसिया, उनके भाईअजय श्रीवास्तव सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। अधिवक्ता नवीन सिंह की तहरीर में करेली थाने में मुकदमा लिखा गया है। करेली निवासी अधिवक्ता नवीन का आरोप है कि उनके मुवक्किल के विरोधी लगातार फोन पर धमकी दे रहे हैं। आरोप है कि शनिवार रात छोटीबेगम उर्फ छोटी चौरसिया उसके भाई समेत कई लोगों ने रोक लिया। धमकाते हुए काह कि मुकदमें की पैरवी बंद नहीं की तो जान से मार दिया जायेगा। लंबे समय से किन्नर गुटों के बीच चल रहा विवाद एक बार फर सामने आया है। अब किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कल्याणीनंबद गिरि उर्फ छोटी गुरु की हत्या की साजिश रचने और रेकी करने का आरोप लगाया गया था। छोटी गुरु ने सनातनी किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरि उर्फ टीना, सना और नवीन सिंह के खिलाफ करेली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। सदियापुर शास्त्री नगर मुहल्ला निवासी छोटी गुरु का आरोप है कि उनके आवास पर कुछ दिनों से रेकी की जा रही हैं बुधवार को उनके चेलों ने सना को देख लिया था इसके बाद पीछा करते हुए रेलवे स्टेशन के पास से सना को पकड़ लिया था। बताया जाता है कि महाकुम्भ के दौरान भी दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। करेली पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा लिखा गया है। जांच का आगे की काररवाई की जा रही है।

सड़क पर कीचड़ और नाली की पटिया छोड़ चले गए सफाईकर्मी, हर मोड़ पर हादसे का खतरा

फूलपुर-प्रतापपुर मार्ग पर सफाई के बाद सड़क बनी मुसीबत, बाइक सवार फिसल रहे, पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। नगर पंचायत फूलपुर की सफाई व्यवस्था लोगों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गई है। नालियों की सफाई के बाद निकाला गया कीचड़, पत्तियां और कचरा सड़क पर ही फैला छोड़ दिया गया, जबकि कई स्थानों पर नालियों की सीमेंट की पटिया भी मुख्य मार्ग पर रख दी गई। इससे फूलपुर-प्रतापपुर मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ गया है।

फूलपुर कोतवाली तिराहा से प्रतापपुर मार्ग पर शेखपुर पूर्वी, मोटी नीम, फरीदाबाद, लोचनगंज और पूरे महारथ के सामने सड़क पर फैला कीचड़ और रखी नालियों की पटिया लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। बरसात के कारण कीचड़ फिसलन में बदल गया है, जिससे दोपहिया वाहन चालक संतुलन खो रहे हैं। कई बाइक सवार फिसलकर चोटिल हो चुके हैं, वहीं बुजुर्ग, महिलाएं और स्कूली बच्चों को भी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजरना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई कर्मी नालियों की सफाई तो कर देते हैं, लेकिन निकाला गया कीचड़ और पटिया सड़क पर ही छोड़कर चले जाते हैं। घंटों और कई बार पूरे दिन तक इन्हें नहीं हटाया जाता, जिससे सड़क पर जाम जैसी स्थिति और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

लोगों ने मांग की है कि सफाई कार्य पूरा होने के तुरंत बाद सड़क से कीचड़, कचरा और नालियों की पटिया हटाई जाए, ताकि आम लोगों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

छिनैती के दो वांछित आरोपी गिरफ्तार, अवैध तमंचा व नकदी बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नवाबगंज थाना पुलिस ने छिनैती के मामलों में वांछित दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छिनैती के सामान बेचकर प्राप्त 2100 रुपये, एक अवैध .315 बोर तमंचा तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय भेज दिया।

पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के नेतृत्व में नवाबगंज पुलिस टीम ने रविवार को मेण्डारा गौशाला स्थित हाईवे कट के पास से कुलदीप सरोज और आदित्य सरोज, निवासी शिवलाल का पूरा मलाक बलऊ, थाना नवाबगंज को

गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से छिनैती के सामान की बिक्री से प्राप्त 2100 रुपये के अलावा एक अवैध तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए।

पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी पूर्व में भी छिनैती की कई घटनाओं में शामिल रहे हैं। इन्होंने 26 अक्टूबर 2025 को रामपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास एक बाइक सवार से एटीएम, चेकबुक और नकदी से भरा बैग छीना था। इसके अलावा एक जनवरी 2026 को भगौतीपुर के पास एक महिला का मोबाइल फोन भी छीन लिया था। दोनों मामलों में नवाबगंज थाने में मुकदमे दर्ज हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे राहगीरों और महिलाओं को निशाना बनाकर मोबाइल, बैग व अन्य सामान छीनते थे। छीने गए सामान को बेचकर मिलने वाले रुपये से अपने शौक और खर्च पूरे करते थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी कुलदीप सरोज के खिलाफ नवाबगंज एवं सोरांव थानों में लूट, छिनैती और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं आदित्य सरोज के विरुद्ध भी छिनैती के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तार करने वाली टीम

चौकी प्रभारी मंसूराबाद भीष्म नारायण सिंह, चौकी प्रभारी श्रृंगवेरपुर कुंवर भानचद्र समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को विभिन्न योजनाओं के बारे में किया जागरुक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में रविवार को गंगानगर जोन के समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों/मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के

प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताकर जागरुक किया गया । टीम द्वारा बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के सम्बंध में जानकारी देकर जागरुक किया गया एवं सोशल मीडिया को सावधानी पूर्वक प्रयोग करने के लिये भी सुझाव दिया गया । किसी भी शोहदों द्वारा परेशान करने पर तत्काल डायल-112 अथवा मिशन शक्ति टीम से शिकायत करने करने को बताया गया ।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे पुलिस आपात सेवा-112, वूमेन पावरलाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, सीएम हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930 व मिशन शक्ति केन्द्र आदि के बारें में जानकारी देकर जागरुक किया गया तथा पम्पलेट वितरित किया गया ।

प्रयागराज को मिलेगा आधुनिक साइबर थाना, 3.08 करोड़ की मंजूरी

उमरी गांव में बनेगी बहुमंजिला इमारत, पांच लाख से अधिक की साइबर ठगी के मामलों की जांच होगी और प्रभावी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज में बढ़ते साइबर अपराधों के बीच लोगों के लिए राहत की खबर है। शहर के साइबर थाने को जल्द ही अपना आधुनिक और स्थायी भवन मिलने जा रहा है। शासन ने इसके निर्माण के लिए 3 करोड़ 8 लाख 88 हजार रुपये की मंजूरी दे दी है। धनराशि जारी होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

फिलहाल साइबर थाना आईजी रेंज कार्यालय परिसर के केवल दो कमरों से संचालित हो रहा है। सीमित जगह के कारण जांच, डिजिटल साक्ष्यों के रखरखाव और तकनीकी टीम के कामकाज में दिक्कतें आती हैं। नया भवन बनने के बाद इन समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के उमरी गांव में बनने वाली बहुमंजिला इमारत के भूतल पर साइबर थाने का कार्यालय होगा, जबकि ऊपरी मंजिलों पर पुलिसकर्मियों के लिए बैरक और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे जांच और पुलिस व्यवस्था दोनों अधिक व्यवस्थित हो सकेंगी।

अधिकारियों के अनुसार नए भवन में आधुनिक तकनीकी उपकरण स्थापित किए जाएंगे, जिससे डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण, पूछताछ और केस मॉनिटरिंग पहले से अधिक प्रभावी होगी। इससे ऑनलाइन ठगी के पीड़ितों की शिकायतों के निस्तारण में भी तेजी आएगी।

प्रयागराज का साइबर थाना वर्ष 2020 से संचालित है। शुरूआत में यह प्रयागराज परिक्षेत्र के स्तर पर स्थापित किया गया था, लेकिन कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के बाद इसे प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट के अधीन कर दिया गया। यहां पांच लाख रुपये या उससे अधिक की साइबर ठगी के मामलों में मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जाती है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल अरेस्ट, निवेश के नाम पर ठगी, फर्जी ट्रेडिंग ऐप, बैंकिंग फ्रॉड और सोशल मीडिया के जरिए होने वाले साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में आधुनिक सुविधाओं से लैस नए साइबर थाने के बनने से जांच की गुणवत्ता बेहतर होगी और पीड़ितों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य के निर्देश पर खुल्दाबाद पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को रविवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना खुल्दाबाद पुलिस द्वारा थाना दुष्कर्म पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त विश्वजीत उर्फ राज उर्फ गुड्डू पुत्र श्याम बिहारी निवासी जनुआडीह खुर्द बरना बाजार थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर रविवार को कर्बला बगिया थाना क्षेत्र खुल्दाबाद से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्रभारी निरीक्षक खुल्दाबाद केशव वर्मा, सुनील कुमार यादव थाना खुल्दाबाद कमिश्नरेट प्रयागराज।

धूमनगंज में पुराने विवाद में दो पक्षों में मारपीट

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी-भसारी इलाके में पुराने विवाद को लेकर शनिवार रात दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट, तमंचा तानने, फायरिंग करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं।

एक पक्ष के कसारी मसारी निवासी सानू उर्फ शफीकुर रहमान का आरोप है कि रात करीब पौने दस बजे 120 फीट रोड तिराहे के पास वहद और उसके भाई सरवर ने उसे रोककर गालीगलौज की। विरोध करने पर कनपटी पर तमंचा सटाकर जान से मारने की धमकी दी और जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा। आरोपियों ने उसका मोबाइल भी छीन लिया। सानू ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

वहीं दूसरे पक्ष के जीटीबी नगर निवासी वहद हुसैन ने सानू और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि आरोपियों ने पुराने मुकदमे में समझौते का दबाव बनाया और विरोध करने पर कट्टे से फायर किया, जो मिस हो गया। इसके बाद मारपीट की गई। गश्त कर रही पुलिस के पहुंचने पर आरोपी भाग गए। पुलिस को मौके से एक तमंचा और एक मोबाइल बरामद हुआ। धूमनगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंतरजनपदीय वॉलीबाल क्लस्टर प्रतियोगिता पुलिस लाइन में शुरू

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। 74वीं अन्तर्जनपदीय वॉलीबाल क्लस्टर (महिला, पुरूष) प्रतियोगिता 18 से 20 जुलाई तक रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित की जा रही है। इसमें सात जनपदों की टीम प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, बांदा, महोबा, चित्रकूट के 90 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। रविवार को प्रतियोगिता के शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य

अतिथि पंकज, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा वॉलीबाल प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक लाइन्स प्रथम विनोद कुमार सिंह एवं प्रतिसार निरीक्षक द्वितीय प्रवीण कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

फतेहपुर टीम को मिली जीत

वॉलीबाल प्रतियोगिता पुरूष वर्ग का परिणाम इस प्रकार रहा जनपद प्रतापगढ़ बनाम जनपद फतेहपुर के बीच मैच खेला गया जिसमें जनपद फतेहपुर विजयी रही।

प्रयागराज: 'ऑपरेशन दहन' के तहत 24.450 किलो गांजा नष्ट, कीमत 12.22 लाख रुपये

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन दहन' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 24.450 किलोग्राम अवैध गांजा का विधिवत दहन (विनष्टीकरण) कराया। नष्ट किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 12 लाख 22 हजार 500 रुपये बताई गई है।

यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस आयुक्त प्रयागराज के मार्गदर्शन तथा अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), पुलिस उपायुक्त अपराध, पुलिस उपायुक्त गंगानगर, अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण एवं सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर के नेतृत्व में नारकोटिक्स टास्क फोर्स (अपराध शाखा) और थाना बहरिया पुलिस द्वारा की गई।

पुलिस के अनुसार, थाना बहरिया पुलिस ने पूर्व में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान के दौरान उक्त गांजा बरामद कर संबंधित आरोपितों को गिरफ्तार किया था। मामले में एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में

मुकदमा दर्ज किया गया। बरामद मादक पदार्थ को जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेजा गया, जहां परीक्षण में उसके गांजा होने की पुष्टि हुई। विवेचना पूरी कर पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र भी प्रेषित कर दिया है।

इसके बाद एनडीपीएस एक्ट की धारा 52ए के तहत न्यायालय से आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी की गई। न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश तथा पुलिस महानिरीक्षक, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स से विनष्टीकरण की अनुमति प्राप्त होने के बाद दहन की कार्रवाई संपन्न कराई गई।

पुलिस आयुक्त द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की निगरानी में रविवार को करीब तीन घंटे तक चली प्रक्रिया के दौरान वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मान्यता प्राप्त इकाई में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरे 24.450 किलोग्राम अवैध गांजा को अग्नि में जलाकर नष्ट कर दिया गया। इस दौरान एनडीपीएस एक्ट-2022 के अद्यतन प्रावधानों एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया गया।

दहन प्रक्रिया के दौरान पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध, सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर, नारकोटिक्स टास्क फोर्स के प्रभारी समेत थाना बहरिया के अधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कमिश्नरेट प्रयागराज मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की कठोर एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई जारी रखेगा।

संपादकीय

नक्सलवाद की समाप्ति के बाद भी बहुत कुछ करना होगा

काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। मार्च 2026 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की । नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है। आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 के बाद केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है। शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने समस्या को बढ़ने दिया। मोदी सरकार के फैसलों से हालात बदले हैं। उन्होंने कहा कि नक्सल विचारधारा आदिवासियों को गुमराह करती है और अब देश नक्सलवाद मुक्त बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने साफ कहा कि सरकार ने नक्सलियों से बातचीत नहीं, बल्कि उन्हें खत्म कर विकास को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है। काफी मारे गए, बहुतों ने सरेंडर किया । कुछ अभी फरार हैं। शाह ने कहा कि देश अब नक्सल मुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया। केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि आजादी के समय देश संसाधनों की कमी और विकास की चुनौतियों से जूझ रहा था। कई दूर-दराज के इलाकों तक सरकार की पहुंच नहीं थी, सड़कों और सुविधाओं का अभाव था। ऐसे हालात में कुछ संगठनों ने इन कमजोरियों का फायदा उठाया। जहां राज्य की पकड़ कम थी, उन्हीं इलाकों को रेड कॉरिडोर बनाया गया। भोले-भाले आदिवासियों को भेदभाव और शोषण के नाम पर भड़काया गया और उनके हाथों में हथियार थमा दिए गए। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध भेदभाव नहीं, बल्कि विकास की कमी थी, जिसका इस्तेमाल कर हिंसा को बढ़ावा दिया गया। शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ने ऑल एजेंसी अप्रोच अपनाई। इसमें सीएपीएफ, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाया गया। फंडिंग और स्पोर्ट सिस्टम पर प्रहार किया गया। सरेंडर नीति लागू की गई। इसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गांव तक अपनी पहुंच बनाई, इससे नक्सलवाद कमजोर हुआ।

उन्होंने दावा किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास हुआ। हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, मोबाइल टावर लगाए गए, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। शिक्षा के लिए एकलव्य स्कूल, आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए। उन्होंने कहा कि विकास ही नक्सलवाद खत्म करने का सबसे बड़ा कारण बना। शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीबी से नहीं, बल्कि विचारधारा से पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती और बंदूक के जरिए सत्ता चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों को बरगलाकर उनके हाथ में हथियार दिए गए और विकास को रोका गया। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार आगे भी सख्ती और विकास दोनों पर काम जारी रखेगी। उन्होंने आदिवासी समाज को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकता है।

युद्ध कोई नहीं जीता है

संजय गोस्वामी

अमेरिका- इजराइल और ईरान युद्ध युद्ध जिस पर दुनिया भर के मीडिया का ध्यान है। सारे चैनल युद्ध पर और खबर जो दिखाई जा रही है उससे शांति नष्ट हो गई है – युद्ध ने इंसानियत के मतलब पर हजारों बातचीत शुरू कर दी होती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मीडिया ने इसे नजरअंदाज करना चुना, जिससे हमें हैरानी हुई कि क्या हमने अपने आस-पास एक अंधा और असंवेदनशील सोशल बबल बना लिया है। ईरान पर अमेरिका-इजराइल की बमबारी में एक महीने से ज्यादा समय से, ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। तेहरान ने मरी हुई लड़कियों की फोटो जारी की हैं। उनके दुखी माता-पिता के वीडियो और फोटो मीडिया और सोशल मीडिया पर शेयर किए गए, लेकिन हममें से कितने लोगों ने उन्हें देखने की परवाह की, ईरान पर अमेरिका-इजराइल की बमबारी में एक महीने से ज्यादा समय से, ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। 24 मार्च को, दर्जनों औरतें रोम की सड़कों पर हाथ में हाथ डाले, नंगे पैर मार्च कर रही थीं। ये गाजा और इजराइल की माँएँ थीं। उनके बच्चे या रिश्तेदार हमास की हिंसा और इजराइल द्वारा लिए गए बदले के शिकार हुए थे। उनका मैसेज जोरदार और साफ था: इजराइल और गाजा दोनों के रहने वाले खुद को आदम और हव्वा की औलाद मानते हैं, और उन्हें बस शांति चाहिए। यह मार्च उन लोगों के लिए एक सबक था जो सोचते हैं कि हर इजराइली गाजा को जला देना चाहता है। ये औरतें 25 मार्च को पोप लियो xiv से मिलीं। पोप पहले ही शांति की अपील कर चुके थे। लेकिन क्या उन्होंने इन मांओं के कहने पर अमेरिका या यूरोप से बात की? तब से उनके रिएक्शन की कोई खबर नहीं है। इस युद्ध मेंअमेरिकी सेना, उपकरण और मध्य देश में बेस भी में खो देता है और फिर कहा कि मैं असलऔर ट्रम्प ने देश से कहा युद्ध में अमेरिकी जीत गया हैलेकिन वास्तव में, कोई नहीं जीता है।

बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने बढ़ाई किसानों की चिंता

कांतिलाल

गुजरात में अचानक बदले मौसम ने आम जनजीवन के साथ-साथ किसानों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। गुरुवार को राज्य के अनेक जिलों में तेज हवाओं, धूल भरी आंधियों, ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने ऐसा रूप लिया कि कई स्थानों पर हालात किसी छोटे तूफान जैसे प्रतीत हुए। इस अप्रत्याशित मौसम परिवर्तन ने जहां लोगों को गर्मी से कुछ राहत दी, वहीं दूसरी ओर खेतों में खड़ी रबी फसलों के लिए यह किसी आपदा से कम नहीं रहा। विशेष रूप से उस समय जब गेहूं, चना, जीरा और सौंफ जैसी फसलें कटाई के लिए पूरी तरह तैयार खड़ी थीं, इस तरह की बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने का खतरा बढ़ा दिया है।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में दर्ज की गई वर्षा ने यह स्पष्ट कर दिया कि मौसम ने व्यापक रूप से असर डाला है। अमरेली जिले की बगसरा तहसील में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई, जबकि सुरेंद्रनगर के चोटीला, राजकोट शहर और जूनागढ़ की भैंसाण तहसील में भी लगभग डेढ़ इंच तक पानी गिरा। इसके अलावा कई अन्य क्षेत्रों में भी हल्की से मध्यम वर्षा हुई। दिनभर में कुल बहत्तर तहसीलों में वर्षा दर्ज होना इस बात का संकेत है कि यह बदलाव केवल सीमित क्षेत्र तक नहीं रहा, बल्कि पूरे प्रदेश में इसका प्रभाव दिखाई दिया।

राजकोट में तो स्थिति और भी गंभीर रही, जहां केवल एक घंटे की तेज बारिश ने पूरे शहर को जलमग्न कर दिया। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ गए, होर्डिंग्स गिर गए और कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। इसी प्रकार जामनगर में धूल भरी आंधी के कारण दृश्यता कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को काफी कठिनाई हुई। कई जगहों पर सौर ऊर्जा पैनल उड़कर सड़कों पर गिर गए, जिससे संपत्ति का नुकसान भी हुआ।

पाटण जिले के सांतलपुर और समी क्षेत्रों में तूफानी हवाओं ने भारी तबाही मचाई। कई मकानों के छप्पर उड़ गए और दीवारें गिर गईं, जिससे लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए। छोटे रण क्षेत्र में रहने वाले अगरिया समुदाय को भी बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा, क्योंकि नमक उत्पादन प्रभावित हुआ और सौर ऊर्जा उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। यह केवल प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन और आजीविका पर सीधा प्रहार है जो पहले से ही सीमित संसाधनों के सहारे जीवन यापन करते हैं।

महेसाणा, वडोदरा और जूनागढ़ सहित अन्य जिलों में भी तेज हवाओं और बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई स्थानों पर ओलावृष्टि की भी खबरें सामने आईं, जिससे खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका और बढ़ गई है। ओले गिरने से फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे किसानों को बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाता। ऐसे में यह स्थिति किसानों के लिए दोहरी मार साबित होती है।एक ओर उत्पादन घटता है और दूसरी ओर आय भी कम हो जाती है।

मौसम विभाग के अनुसार इस अचानक बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण की भूमिका है। इन कारणों से राज्य के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश और आंधी की स्थिति बनी। विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि आने वाले चौबीस घंटों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है और कुछ क्षेत्रों में इक्कीस मार्च तक बेमौसम बारिश जारी रह सकती है। विशेष रूप से बनासकांठा, पाटण, साबरकांठा, कच्छ और दक्षिण गुजरात के क्षेत्रों में इस प्रकार की स्थिति बनी रहने की संभावना जताई गई है।

किसानों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि रबी फसलों की कटाई का दौर चल रहा होता है। महीनों की मेहनत के बाद जब फसल तैयार होती है, तभी इस तरह का मौसम उनकी सारी उम्मीदों को झटका दे देता है। बारिश के कारण कटाई में देरी होती है, फसल भीग जाती है और कई बार पूरी तरह खराब हो जाती है। इसके अलावा तेज हवाओं से फसलें गिर जाती हैं, जिससे कटाई और भी कठिन हो जाती है। इससे उत्पादन में कमी आती है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के मौसम परिवर्तन अब पहले की तुलना में अधिक देखने को मिल रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकते हैं। बदलते मौसम के इस स्वरूप ने खेती को पहले से अधिक जोखिम भरा बना दिया है। ऐसे में किसानों को नई तकनीकों और सावधानियों को अपनाने की आवश्यकता है, ताकि वे इस प्रकार की परिस्थितियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकें। कृषि विभाग ने भी किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं और मौसम की जानकारी पर लगातार नजर बनाए रखें।

प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है।

आपात स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, इस तरह की प्राकृतिक घटनाओं के सामने मानव प्रयास सीमित ही साबित होते हैं, लेकिन समय पर चेतावनी और सावधानी से नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

यह बेमौसम बारिश और आंधी केवल एक दिन की घटना नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि मौसम का स्वरूप बदल रहा है और इसके प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। किसानों की चिंता इस बात को लेकर है कि यदि इसी प्रकार का मौसम बार-बार होता रहा, तो उनकी आय और जीवन दोनों पर इसका गहरा असर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में प्रयास किए जाएं।

अंततः कहा जा सकता है कि गुजरात में आया यह मौसम परिवर्तन केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हमें अपने पर्यावरण और कृषि प्रणाली को अधिक मजबूत और अनुकूल बनाने की दिशा में कदम उठाने होंगे। किसानों की सुरक्षा और उनके भविष्य को सुनिश्चित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है, क्योंकि वही हमारे अन्नदाता हैं और उनकी समृद्धि में ही पूरे समाज की समृद्धि निहित है।

निरंतर सीखना, क्षमता-आधारित शासन और कर्मयोगी दृष्टि

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवा का नया प्रतिमान स्थापित करेगा

बदलते वैश्विक परिदृश्य, तीव्र तकनीकी विकास और नागरिक अपेक्षाओं के विस्तार के इस दौर में शासन की प्रकृति भी तेजी से परिवर्तित हो रही है।ऐसे समय में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रारंभ कर्मयोगी साधना सप्ताह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के व्यापक रूपांतरण का सशक्त संकेत है। यह पहल नागरिक देवो भव की भावना को केंद्र में रखते हुए सेवा, संवेदना और दक्षता के नए मानक स्थापित करती है–जो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के स्वप्न से जुड़ी हुई है।नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित यह सप्ताह मिशन कर्मयोगी के पाँच वर्ष पूर्ण होने का भी प्रतीक है।यह वह पड़ाव है जहाँ उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए भविष्य की दिशा तय की जा रही है।इस पहल का उद्देश्य केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि एक ऐसी सिविल सेवा का निर्माण करना है,जो सक्षम, उत्तरदायी,पारदर्शी और पूर्णतः नागरिक-केंद्रित हो।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत 2047 केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टि है।यह एक ऐसे भारत की कल्पना करता है जो आत्मनिर्भर,समावेशी, तकनीकी रूप से अग्रणी और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि शासन व्यवस्था भी उसी अनुरूप विकसित हो - जहाँ निर्णय त्वरित हों, सेवाएँ सुलभ हों और नागरिकों का विश्वास सर्वोपरि हो।इसी संदर्भ में प्रधान मंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भविष्य की सिविल सेवा के लिए निरंतर सीखना अनिवार्य है।अब प्रशिक्षण एक बार का औपचारिक चरण नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया बन चुका है-जहाँ अधिकारी कहीं भी,कभी भी सीख सकते हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को गति दे रहे हैं,जो लाखों कर्मियों को ज्ञान और कौशल से जोड़ रहे हैं।डॉ. मिश्रा ने शासन के नियम-आधारित ढाँचे से भूमिका-आधारित मॉडल की ओर संक्रमण को भी रेखांकित किया।यह बदलाव विकसित भारत की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशासन को अधिक लचीला,परिणामोन्मुख और नवाचार-प्रधान बनाता है। अब अधिकारी केवल नियमों के पालनकर्ता नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक और समाधान के निमार्ता बन रहे हैं।क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने मिशन कर्मयोगी को ज्ञान,कौशल और मूल्यों के समन्वय का मॉडल बताया। वास्तव में कर्मयोगी का अर्थ ही है-कर्तव्य को साधना के रूप में अपनाना। यही वह भावना है जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को वास्तविक धरातल पर उतार सकती है।कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस मिशन की व्यापकता को स्पष्ट करते हैं - जीएमसटी प्लेटफॉर्म पर करोड़ों पंजीकरण और पाठ्यक्रम पूर्ण होना इस बात का संकेत है कि सीखने की यह संस्कृति अब जमीनी स्तर तक पहुँच रही है।

यहाँ यह समझना आवश्यक है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब शासन की अंतिम मील डिलीवरी मजबूत हो। योजनाएँ तभी सफल मानी जाएँगी जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। इसी उद्देश्य से कर्मयोगी क्षमता कनेक्ट और कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम जैसी पहलें जमीनी स्तर के कर्मचारियों को सशक्त बना रही हैं। सुब्रमण्यम रामदोराई ने जिस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में दक्षता पर बल दिया, वह इस बात का संकेत है कि भविष्य का प्रशासन डिजिटल और डेटा-आधारित होगा। इसके साथ ही मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है।विकसित भारत केवल तकनीकी रूप से उन्नत नहीं,बल्कि मानवीय मूल्यों से समृद्ध भी होना चाहिए।

कर्मयोगी साधना सप्ताह का प्रौद्योगिकी, परंपरा और ठोस परिणाम पर आधारित ढाँचा इस संतुलन को स्पष्ट करता है।

यह आधुनिकता और परंपरा के समन्वय के माध्यम से स्थायी और प्रभावी शासन की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है। आज जब विश्व अनेक चुनौतियों -जलवायु परिवर्तन,वैश्विक अस्थिरता और तीव्र शहरीकरण का सामना कर रहा है,तब भारत का यह मॉडल एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

निरंतर सीखने, नवाचार और सेवा-भाव के आधार पर निर्मित यह सिविल सेवा न केवल देश के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक नई पहचान बना सकती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि कर्मयोगी साधना सप्ताह केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त कदम है।

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक पर विपक्ष का विरोध-आशंकाएं

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ माने जाते हैं। सीमाओं की सुरक्षा से लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली और आपदा प्रबंधन तक, इन बलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में जब भी इनके ढांचे, सेवा शर्तों या अधिकारों से जुड़ा कोई नया विधेयक या सुधार प्रस्ताव सामने आता है, तो स्वाभाविक रूप से व्यापक चर्चा होती है। लेकिन हाल के समय में देखा गया है कि विपक्ष इन प्रस्तावों का मुखर विरोध कर रहा है। यह विरोध किन कारणों से प्रेरित है, इसे समझना जरूरी है।

सबसे पहली चिंता संघीय ढांचे (फेडरल स्ट्रक्चर) को लेकर है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के माध्यम से राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप बढ़ा सकती है। यदि किसी विधेयक में बलों को अधिक स्वायत्तता या सीधे हस्तक्षेप के अधिकार दिए जाते हैं, तो यह राज्यों की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी को कमजोर कर सकता है। यही कारण है कि कई विपक्षी दल इसे राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण के रूप में देखते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा बलों के कर्मियों के अधिकारों और कल्याण से जुड़ा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार सुधार के नाम पर अनुशासन और नियंत्रण को तो मजबूत कर रही है, लेकिन जवानों की समस्याओं–जैसे लंबी ड्यूटी, मानसिक तनाव, वेतन विसंगतियां और पेंशन–पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। यदि किसी विधेयक में इन मुद्दों का संतुलित समाधान नहीं होता, तो उसका विरोध स्वाभाविक है।

तीसरा पहलू राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका है। विपक्ष को डर है कि सीएपीएफ का इस्तेमाल राजनीतिक विरोध को दबाने या चुनावी लाभ के लिए किया जा सकता है। भारत जैसे लोकतंत्र में सुरक्षा बलों की निष्पक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए किसी भी ऐसे प्रावधान पर सवाल उठना लाजिमी है जो इस निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि, यह भी सच है कि कई बार विरोध का कारण केवल नीतिगत असहमति नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति भी होती है। संसद में सरकार को घेरने और जनमत को प्रभावित करने के लिए विपक्ष अक्सर ऐसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाता है। इससे बहस तो होती है, लेकिन कई बार सार्थक समाधान पीछे छूट जाते हैं। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सीएपीएफ जैसे संवेदनशील विषय पर निर्णय लेते समय संतुलन और पारदर्शिता बनाए रखी जाए। सरकार को चाहिए कि वह सभी हितधारकों–राज्यों, सुरक्षा विशेषज्ञों और स्वयं बलों के कर्मियों–से व्यापक संवाद करे।

ट्रंप की मजबूर एग्जिट चाल, ईरान का भीषण प्रहार और इजरायल की अग्निपरीक्षा

दिलीप कुमार पाठक

आज मध्य-पूर्व के तपते और बारूद की गंध से भरे रेगिस्तान में इतिहास की सबसे खतरनाक पटकथा लिखी जा रही है और दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ अमेरिका जैसी महाशक्ति की हेकड़ी ईरान के फौलादी इरादों के सामने पस्त पड़ती दिखाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो व्हाइट हाउस की कुर्सी संभालते ही ईरान को पत्थर युग में भेजने की गर्जना कर रहे थे, आज उसी ईरान की अभूतपूर्व सैन्य दृढ़ता और अचूक मिसाइल तकनीक के सामने खुद को बुरी तरह फंसा हुआ पा रहे हैं। ट्रंप का हालिया और चौंकाने वाला बयान, जिसमें उन्होंने अगले 2 से 3 हफ्तों के भीतर ईरान से अपनी सेना को बाहर निकालने की बात कही है, दरअसल कोई सोची-समझी कूटनीतिक जीत नहीं बल्कि एक हारी हुई बाजी से सुरक्षित निकलने की छटपटाहट है क्योंकि अमेरिका की वैश्विक दादागिरी अब ईरान के आत्मसम्मान और उसकी मजबूत सैन्य घेराबंदी के सामने धराशायी हो चुकी है। ट्रंप जो खुद को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ डील मेकर कहते थे, आज ईरान की शर्तों के सामने बेबस और लाचार नजर आ रहे हैं और उनकी शांति की बात दरअसल उनकी अपनी सैन्य विफलता और रणनीतिक हार को छिपाने का एक पारदर्शी पर्दा मात्र है। वे भली-भांति जानते हैं कि अगर वे अब इस युद्ध के मैदान से बाहर नहीं निकले, तो अमेरिका को एक ऐसे क्षेत्रीय महायुद्ध का सामना करना पड़ेगा जिसकी तबाही की आंच सीधे वाशिंगटन की दहलीज तक पहुँचेगी, क्योंकि ईरान ने साफ कर दिया है कि मध्य-पूर्व अब अमेरिका की जागीर नहीं है। ईरान का पक्ष आज इस संघर्ष में एक अजेय विजेता की तरह उभरा है जिसने पूरी दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह अब केवल रक्षात्मक मुद्रा में नहीं रहेगा बल्कि आक्रामक रक्षा की नीति अपनाते हुए दुश्मन को उसके घर में घुसकर तबाह करेगा। हाल ही में तेल अवीव की अभेद्य कही जाने वाली सुरक्षा दीवारों को भेदती ईरानी मिसाइलों और जॉर्डन स्थित अमेरिकी अड्डों पर हुए अचूक हमलों ने यह साबित कर दिया है कि ईरान की सैन्य शक्ति को कम आंकना ट्रंप की सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल थी। ईरान ने न केवल अमेरिकी धमकियों को कूड़ेदान में डाल दिया है बल्कि अपनी सैन्य श्रेष्ठता के दम पर युद्ध का भूगोल बदलने की ऐसी चुनौती दी है जिससे ट्रंप अंतरराष्ट्रीय मंच पर पूरी तरह अलग-थलग और लाचार पड़ गए हैं। इस बीच, ट्रंप के पीछे हटने के फैसले ने मध्य-पूर्व की बिसात पर एक ऐसा पावर वैक्यूम पैदा कर दिया है जिसे भरने के लिए रूस और चीन भूखे भेड़ियों की तरह घात लगाकर बैठे हैं और जैसे ही अमेरिकी सेना के कदम पीछे हटेंगे, पुतिन अपनी सैन्य साख और शी जिनपिंग अपनी असीमित आर्थिक शक्ति के जरिए इस तेल-समृद्ध क्षेत्र को पूरी तरह अपने प्रभाव में ले लेंगे। ट्रंप की यह एग्जिट चीन के लिए वह सुनहरा रास्ता खोल रही है जहाँ वह बिना एक भी गोली चलाए मध्य-पूर्व का नया आर्थिक और रणनीतिक महाबली बनकर उभरेगा, जो सीधे तौर पर अमेरिकी वैश्विक वर्चस्व के अंत का औपचारिक एलान होगा। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा बेचैनी, गुस्सा और असुरक्षा इजरायल के खेमे में दिखाई दे रही है, प्लान किसी बड़े कूटनीतिक विश्वासघात और सीधे तौर पर मौत के वारंट से कम नहीं है।

क्योंकि इजरायल का स्पष्ट मानना है कि अमेरिका का पीछे हटना ईरान को पूरे क्षेत्र का बेताज और अनियंत्रित बादशाह बना देगा।इजरायल आज खुद को इस युद्ध में ठगा हुआ और अकेला महसूस कर रहा है और उसने अपने सैन्य बजट में $10 बिलियन की जो ऐतिहासिक और भारी वृद्धि की है, वह दुनिया को यह जताने के लिए काफी है।

भाजपा के लिए भस्मासुर साबित होगा चुनाव आयोग?

सनत कुमार जैन

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है विधानसभा चुनाव के लिए एसआईआर की प्रक्रिया पिछले कई माह से चल रही है इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका की सुनवाई चल रही है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिस तरह से आर पार की लड़ाई लड़ रही है उसके कारण वह चुनाव आयोग और भाजपा के लिए एक बड़ा सिर दर्द बन गई हैं। चुनाव आयोग का एसआईआर का खेल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने समझ लिया है फॉर्म नंबर 6 और 7 का जो खेल चुनाव आयोग में चल रहा है उसे भी विपक्षी दलों और ममता बनर्जी ने पहचान लिया है जिस तरह से केंद्रीय चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में बड़े अधिकारियों से लेकर बीएलओ तक के ट्रांसफर किए हैं। हर मामले में ममता बनर्जी और उनके अधिवक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को उठाया है हाई कोर्ट में भी ममता बनर्जी ने लड़ाई लड़ने में कोई कोताही नहीं बरती निश्चित रूप से चुनाव आयोग को जो संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है सरकार का संरक्षण प्राप्त है उसको देखते हुए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अपेक्षाकृत लाभ नहीं मिला इसके बाद भी उन्होंने पूरी तरह से जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं उसमें एक धर्म विशेष के लोगों में जब हाईकोर्ट के जज का नाम कट गया उससे यह मामला जनता के बीच बड़ी तेजी के साथ पहुंच गया हाल ही में न्यायिक अधिकारी ब्लॉक ऑफिस में बैठकर जिन लोगों के नाम नहीं जुड़े थे उनकी शिकायतों पर जांच कर रहे थे उन न्यायिक अधिकारियों को मतदाताओं ने कई घंटे तक बंधक बना कर रखा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पूरी रात जाग कर प्रशासन को सक्रिय करना पड़ा उसके बाद सुनवाई कर रहे जजों को बाहर निकाला गया बाद में सुप्रीम कोर्ट को आदेश करना पड़ा कि सीआरपीएफ को न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की ड्यूटी में लगाया जाए इस मामले में पहले ही टीएमसी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए यह कह दिया था जिस बड़े पैमाने पर अधिकारियों के ट्रांसफर केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा बिना राज्य सरकार के परामर्श के किए गए हैं उसके बाद राज्य सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर पूरा प्रशासन कम कर रहा है। कानून व्यवस्था की पश्चिम बंगाल में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है जिद मतदाताओं के नाम काटे गए हैं उ

तेज रफ्तार मैजिक की चपेट में आए बुलेट सवार, दो युवकों की मौत

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी के राजातालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत वीरभानपुर-ओदार स्थित एक पेट्रोल पंप के समीप शनिवार देर शाम तेज रफ्तार मैजिक वाहन की टक्कर से बुलेट सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीसरे का इलाज जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, वीरभानपुर निवासी जमाल (26), शाहिद (20) और मोहम्मद आमिर (20) शनिवार देर शाम बुलेट से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे राजातालाब-जंसा मार्ग पर ओदार स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, सामने से आ रहे तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

घटना की सूचना मिलते ही राजातालाब पुलिस चौकी प्रभारी राजेश मौर्य पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जमाल और शाहिद को मृत घोषित कर दिया, जबकि मोहम्मद आमिर की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही मृतकों और घायल युवक के परिजन अस्पताल पहुंच गए। दोनों युवकों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। रविवार को पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजातालाब पुलिस चौकी प्रभारी राजेश मौर्य ने बताया कि दुर्घटना के बाद मैजिक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस वाहन की पहचान कर उसकी तलाश में जुटी है तथा मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी ने भलुअनी थाना का किया निरीक्षण, शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

देवरिया।
उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया के जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार देर रात भलुअनी थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विभिन्न अभिलेखों व रजिस्टरों की गहन जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थाने में आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता और प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए। उन्होंने कहा कि सभी मामलों में निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी पीड़ित को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि थाने पर दर्ज होने वाले प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, ताकि आमजन का पुलिस और प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो।

काशी भारत की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश, यहाँ कण-कण में शिव का वास : रेखा गुप्ता

अपने जन्मदिन पर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ और काल भैरव के दरबार में लगाई हाजिरी

वाराणसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर रविवार को यहां काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ और काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के दरबार में परिजनों के साथ विधिवत हाजिरी लगाई। दो दिवसीय काशी प्रवास पर आईं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोनों मंदिरों में विधि विधान से दर्शन पूजन के बाद दिल्ली सहित पूरे देश में सुख समृद्धि की कामना कीं।

काशी के दोनों मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि आज, अपने जन्मदिन पर, मुझे शाश्वत, अविनाशी और मोक्ष प्रदान करने वाली काशी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ और काशी के कोतवाल श्री काल भैरव के पवित्र चरणों में दर्शन और पूजा करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। काशी भारत की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश है। यहाँ कण-कण में शिव का वास है, हर श्वास में भक्ति है और हर कदम पर आध्यात्मिकता का स्पंदन महसूस होता है। बाबा विश्वनाथ की कृपा और काल भैरव जी का संरक्षण अनादि काल से इस पवित्र भूमि और इसके भक्तों की शक्ति रहे हैं। मैं बाबा विश्वनाथ और श्री काल भैरव जी से प्रार्थना करता हूँ कि वे सभी पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें, सबको सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली का आशीर्वाद दें, और भारत निरंतर वैभव, गौरव और नई उपलब्धियों के शिखर को छूता रहे।

इसके पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जन्मदिन पर वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बधाई दी है। उन्होंने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि "दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जन्मदिन की शुभकामनाएं। दिल्ली के विकास को बढ़ावा देने और लोगों के लिए 'जीवन को आसान बनाने' की दिशा में उनके प्रयास सराहनीय हैं। उनके लंबे जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।"

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश

गोरखपुर।
उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार को गोरखपुर दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने जिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को मरीजों को बेहतर उपचार के साथ-साथ सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। दौरे की शुरूआत जिला अस्पताल के निरीक्षण से हुई। उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर भर्ती मरीजों से सीधे संवाद किया और उपचार, दवाओं की उपलब्धता तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने मरीजों से पूछा कि उन्हें समय पर इलाज मिल रहा है या नहीं तथा किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं है। निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी वार्ड में उमस और गर्मी की स्थिति को देखते हुए पाठक ने तत्काल एयर कंडीशनर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक वातावरण उपलब्ध कराना भी स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को अस्पतालों में सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने के लिए वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया तेज करने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने भलुअनी थाना का किया निरीक्षण, शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

देवरिया।
उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया के जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार देर रात भलुअनी थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विभिन्न अभिलेखों व रजिस्टरों की गहन जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी

ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थाने में आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता और प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए। उन्होंने कहा कि सभी मामलों में निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी पीड़ित को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंत्री अरविंद शर्मा ने झाड़ू लगाकर किया 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत

वाराणसी।
वाराणसी में रविवार को सूरजकुंड वार्ड में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत किया। वाराणसी दक्षिणी विधानसभा में विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी की योजना से 76 दिवसीय वार्ड प्रवास के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि रहे मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने झाड़ू लगाया और स्थानीय लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

वार्ड प्रवास कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकताओं के बीच मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन-जन को स्वच्छता के कार्य से जोड़ने के लिए झाड़ू उठाने का जो कार्य किया था, उसी को आगे बढ़ाते हुए हम स्वच्छता कार्य में जुटे हुए हैं। विश्व पटल पर आज वाराणसी की तस्वीर बदली हुई दिखाई देती है, इसका एक प्रमुख कारण यहां का स्वच्छ वातावरण भी है।

विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी निर्वाचन क्षेत्र दक्षिणी विधानसभा में 76 दिवसीय वार्ड प्रवास का कार्यक्रम आज से प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित, 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन नामांकन

चयनीत बच्चों के असाधारण कार्य के लिए छह विशिष्ट श्रेणियों में मिलेगा पुरस्कार

वाराणसी।
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने असाधारण प्रतिभा और उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को सम्मानित करने के लिए 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026' हेतु ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक एवं पात्र बच्चे स्वयं या अन्य पात्र माध्यमों के जरिए 31 जुलाई तक ऑनलाइन नामांकन कर सकते हैं।

जिला प्रोबेशन अधिकारी (महिला कल्याण विभाग) पंकज कुमार मिश्रा ने रविवार को बताया कि इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार के तहत बच्चों को उनके असाधारण योगदान के लिए छह श्रेणियों–वीरता, खेलकूद, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला एवं संस्कृति में सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार 5 से 18 वर्ष तक के बच्चों को उनके असाधारण उपलब्धियों के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्रेणी में ऐसे बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने किसी नए उत्पाद, नवाचार, अनुसंधान, प्रोटोटाइप या वैज्ञानिक विचार का विकास किया हो। यदि वाराणसी जनपद के किसी बच्चे ने विज्ञान, रोबोटिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण तकनीक या किसी अन्य वैज्ञानिक क्षेत्र में उल्लेखनीय मॉडल, पेटेंट, शोध अथवा अभिनव कार्य किया है, तो वह इस पुरस्कार के लिए आवेदन करने का पात्र है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है।

बरेली में 1.30 करोड़ का प्रीकर्सर कैमिकल बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

बरेली ।
एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) बरेली यूनिट ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार सक्रिय तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 498.35 किलोग्राम एसिटिक एनहाइड्राइड प्रीकर्सर कैमिकल बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। टीम ने दो वाहन, पांच मोबाइल फोन और 1,080 रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

जिले में चलाए जा रहे अभियान के तहत 18 जुलाई को थाना शाही क्षेत्र के ग्राम जुनहाई बिजलीघर के सामने कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपितों में अमरोहा के चक मुस्तफापुर निवासी जोगेश उर्फ पिंकू, बदायूं के नदाईल निवासी वासिद, अमरोहा के हटऊआ निवासी तेजपाल सिंह और जोया निवासी अरुण कुमार शामिल हैं। बरामदगी के आधार पर थाना शाही में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूछताछ में मुख्य आरोपित जोगेश ने बताया कि चारों लोग हरियाणा के मेवात से एसिटिक एनहाइड्राइड लेकर आए थे। जोगेश और वासिद कार से, जबकि अरुण और तेजपाल पिकअप वाहन से गए थे। मेवात के एक व्यक्ति से कैमिकल लेकर उसे पिकअप में लोड किया गया था। इसे बदायूं के एक व्यक्ति को सौंपना था, जहां से पश्चिम बंगाल की एक पार्टी तक इसकी सप्लाई होनी थी। तस्करी से होने वाले मुनाफे को चारों आपस में बांट लेते थे।

एएनटीएफ बरेली यूनिट के प्रभारी उपनिरीक्षक विकास यादव ने बताया कि बरामद एसिटिक एनहाइड्राइड प्रीकर्सर कैमिकल का उपयोग हेरोइन जैसे मादक पदार्थों के निर्माण में किया जाता है। यह कार्रवाई नशा तस्करी की सप्लाई चेन पर बड़ी चोट है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य तस्करों और सप्लायरों की तलाश में टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

वाराणसी के खोजवा में सामाजिक संगठन ने बदल दी प्राथमिक विद्यालय की सूरत

वाराणसी।
जिले में खोजवा स्थित प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट की सूरत बदलने के लिए सामाजिक संगठन कोरल ग्रुप ने तमाम प्रयास किए। वर्तमान समय में विद्यालय में बच्चों के बैठने के लिए नई बेंच उपलब्ध कराने के साथ ही दीवारों की मरम्मत, रंगरोगन, मैदान सफाई का कार्य कराया गया है।

प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट की प्रधानाचार्य अंजू दुबे ने बताया कि सामाजिक संगठनों के माध्यम या सहयोग से बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक विद्यालय में तमाम कार्यों को कराया जाता रहा है। इस बार कोरल ग्रुप ने सहयोग किया है और विद्यालय की सूरत बदली है। बच्चों के लिए नई बेंच उपलब्ध हो गई है। जिससे बच्चों को पढ़ाई करने में सुविधा मिलेगी।

अंजू दुबे ने बताया कि कोरल ग्रुप ने एक माह पूर्व में विद्यालय परिवार से संपर्क किया था। इसके बाद उस समय की स्थिति के आधार पर बदलाव के लिए कार्यों को कराते हुए एक माह में सभी सहयोगी कार्यों को पूर्ण करा लिया।

कोरल ग्रुप के प्रबंध निदेशक खालिद ने कहा कि खोजवा के प्राथमिक विद्यालय में नए और आधुनिक फर्नीचर लगाए गए हैं। जिससे बच्चों को बैठाने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। जब बच्चे आराम से बैठ पाएंगे, तभी वह पढ़ने में अपना मन लगाएंगे। ग्रुप ने विद्यालय के विभिन्न आवश्यक कार्यों को कराया है। प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के भविष्य के लिए आगे भी हम अपना सहयोग देते रहेंगे।

पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को लेकर द्वारकाधीश मंदिर में हुआ पौधरोपण

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में समाजसेवी संस्था एक विचित्र पहल सेवा समिति की ओर से चलाए जा रहे 'जीवनधारा पौधारोपण अभियान-5100' के तहत रविवार सुबह प्रार्थना नर्सिंग होम के समीप स्थित द्वारकाधीश मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। अभियान के दौरान पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी मंदिर के सेवादारों को सौंपी गई।

पौधरोपण के बाद आयोजित पर्यावरण गोष्ठी में समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पेड़-पौधे विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कुराने की प्रेरणा देते हैं और मानव जीवन के लिए इनका महत्व सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण और उनकी नियमित देखभाल आवश्यक है। समिति शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, सार्वजनिक स्थलों, पार्कों और मार्गों पर ऑक्सीजन देने वाले दीघार्यु पौधों का रोपण कर रही है। साथ ही लोगों को उनकी पसंद के पौधे निःशुल्क भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मंदिर परिसर में मधुकामिनी, मालती बेल, हरसिंगार, बेलपत्र, चांदनी, गुड़हल, अशोक, चितवन और कदम सहित कई पौधे लगाए गए। गोष्ठी के अंत में उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर धर्म नारायण अग्रवाल (लोली), अंजू अग्रवाल, डॉ. उपेंद्रनाथ मिश्रा, मनीष पुरवार (हीरू), तेज बहादुर वर्मा, राकेश गुप्ता, राम आसरे गुप्ता, संतोष पोरवाल, अनिल कुमार सोनी, संतोष कुशवाहा, शिवपाल, राजीव पोरवाल (रानू), आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट, सतीश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुठभेड़ में पांच अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरफ्तार

बलिया।
जिले की पुलिस ने रविवार तड़के एक मुठभेड़ के बाद अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से एक अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी का एक ट्रैक्टर, एक ट्रॉली, 11 मोटरसाइकिलें, दो पंपिंग सेट मोटर तथा चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) संजय वर्मा ने बताया कि रविवार तड़के करीब तीन बजे बैरिया से बिहार जाने वाले मार्ग पर वाहन चेकिंग की जा रही थी।

इस दौरान पुलिस ने घेराबंदी की, तो मुख्य आरोपित हेमंत सिंह ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें हेमंत सिंह के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल आरोपित को तत्काल सीएचसी सोनबरसा भेजा गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मौके से हेमंत सिंह के अलावा हर्ष राज सिंह उर्फ राज सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, बिहार के सारण निवासी अनुज उपाध्याय उर्फ शिवम उपाध्याय तथा जयकुमार गोड़ उर्फ सन्टुल गोड़ को गिरफ्तार कर लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि गिरोह चोरी के वाहनों को बिहार ले जाकर बेचने की फिराक में था।

संक्षिप्त समाचार

न्यूज़ीलैंड में आया 5.9 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी

वेलिंगटन , एजेंसी। न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप (साउथ आइलैंड) के पश्चिमी तट पर गुरुवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद अधिकारियों ने सुनामी का अलर्ट जारी करते हुए लोगों से तुरंत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र टे अनाउ शहर से करीब 42 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम में था। भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर के आसपास दर्ज किया गया। इसकी गहराई करीब 76.4 किलोमीटर थी। न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोग बिना देरी किए सुनामी निकासी क्षेत्र से बाहर निकलें और नजदीकी ऊंचे स्थान या जितना संभव हो सके, अंदरूनी इलाके की ओर चले जाएं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। न्यूजीलैंड के नागरिक सुरक्षा विभाग ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, फियोर्डलैंड के पास रात 9 बजकर 14 मिनट पर आए 5.9 तीव्रता के भूकंप के बाद न्यूजीलैंड के तटीय इलाकों में तेज और असामान्य समुद्री लहरें तथा तट पर अचानक पानी बढ़ने जैसी स्थिति देखने को मिल सकती है।

बंगाल की खाड़ी में दो नावें डूबीं, 500 मौतों की आशंका

रखाइन, एजेंसी। म्यांमार में हिंसा से बचकर भाग रहे 500 से ज्यादा लोगों के समुद्र में लापता होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों के मुताबिक, म्यांमार के तट के पास खराब मौसम में दो नावें गायब हो गईं। इनमें सवार ज्यादातर लोग रोहिंग्या समुदाय के थे। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन और संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने संयुक्त बयान में बताया कि दोनों नावें जून के आखिर में म्यांमार के पश्चिमी रखाइन राज्य से रवाना हुई थीं। पहली नाव में करीब 280 यात्री सवार थे और माना जा रहा है कि वह 8 जुलाई को म्यांमार के अयेयारवाडी तट के पास डूब गई। रोहिंग्या म्यांमार के रखाइन राज्य का एक मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय है। दशकों से यह समुदाय सरकारी उत्पीड़न, हिंसा और भेदभाव का सामना कर रहा है। म्यांमार की बौद्ध बहुसंख्यक सरकार और वहां के स्थानीय लोग रोहिंग्याओं को म्यांमार का मूल निवासी नहीं मानते। उनका दावा है कि ये लोग ब्रिटिश शासनकाल के दौरान बांग्लादेश (तत्कालीन बंगाल) से आए अवैध अप्रवासी हैं। उन्हें आधिकारिक तौर पर 'बंगाली' कहकर पुकारा जाता है। रोहिंग्या समुदाय का कहना है कि वे रखाइन क्षेत्र में आठवीं सदी या उससे भी पहले से रह रहे हैं और वे यहीं के मूल निवासी हैं। साल 1982 में रोहिंग्याओं की नागरिकता देने से इनकार कर दिया गया। इसके कारण वे बिना किसी देश के नागरिक बन गए। उन्हें बुनियादी अधिकार जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा और शादी करने तक की आजादी नहीं है। करीब 12 लाख रोहिंग्या फिलहाल बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। ये लोग म्यांमार की सेना की हिंसा से बचकर वहां पहुंचे थे। हाल के वर्षों में अमेरिका और अन्य देशों की विदेशी सहायता में कटौती के कारण इन शिविरों में खाद्य राशन भी कम कर दिया गया है। रोहिंग्या शरणार्थियों के पास सुरक्षित तरीके से म्यांमार लौटने का कोई रास्ता नहीं है। 2017 में म्यांमार की सेना पर रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा करने के आरोप लगे थे, जिसे कई देशों ने नरसंहार (जेनोसाइड) माना है। जो रोहिंग्या अब भी म्यांमार में रह रहे हैं, उन्हें कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से कई लोग नजरबंदी शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

इमरान के जेल में तीन वर्ष पूरे होने पर पीटीआई करेगी विरोध प्रदर्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने पांच अगस्त को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। यह प्रदर्शन उनके नेता के जेल में तीन साल पूरे होने के मौके पर किया जाएगा। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन पांच अगस्त से शुरू होगा और तब तक जारी रहेगा जब तक उनके नेता को रिहा नहीं किया जाता। इस दौरान देशभर में रैलियां निकाली जाएंगी। तीन वर्ष से जेल में बंद हैं इमरान खान इमरान खान (73) इस समय रावलपिंडी की अदियाला जेल में एकांत कारावास में बंद हैं। उन्हें पांच अगस्त 2023 को इस्लामाबाद की एक निचली अदालत द्वारा तोशाखाना केस में भ्रष्टाचार का दोषी ठहराने के बाद गिरफ्तार किया था। उन्हें कई अन्य मामलों में भी गिरफ्तार किया गया और दोषी ठहराया गया, जिसकी वजह से वह लगातार जेल में हैं। पार्टी के महासचिव सलमान अकरम राजा ने अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से कहा, पांच अगस्त को खान के जेल में बंद होने के तीन साल पूरे हो जाएंगे।

कनाडा में जंगल की आग के बीच फंसी ट्रेन:ट्रक से भिड़ंत, कर्मचारियों ने पैदल भागकर जान बचाई; घटना का वीडियो वायरल

ओंटारियो, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भीषण जंगल की आग के बीच कैनेडियन नेशनल रेलवे के कर्मचारी मौत के बेहद करीब पहुंच गए। धुएं के कारण विजिबिलिटी लगभग खत्म हो गई थी। इसी दौरान एक ट्रक में आग लग गई और वह ट्रेन से टकरा गया। हालांकि, सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में ट्रेन के इंजन की खिड़कियों के बाहर चारों ओर जंगल में आग की ऊंची लपटें दिखाई देती हैं। आसमान नारंगी रंग का नजर आता है और कर्मचारी तत्काल निकासी की मांग करते सुनाई देते हैं। वीडियो में ट्रेन के दोनों ओर जंगल धधकते दिखाई दे रहे हैं, जबकि ट्रेन के कर्मचारी वायरलेस पर मदद मांगते सुनाई देते हैं। वीडियो में एक कर्मचारी कहता है, 'आग कभी भी हमें अपनी चपेट में ले सकती है। अब हालात डराने वाले हो गए हैं।' यह घटना ओंटारियो के आर्मस्ट्रॉन्ग इलाके के पास हुई, जहां ट्रेन जलते हुए पेड़ों के बीच से गुजर रही थी। सीएन रेलवे के अनुसार, घने धुएं के बीच एक ट्रक आग की चपेट में आ गया और ट्रेन से टकरा गया। इसके बाद सभी कर्मचारी पैदल ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। हालांकि, किसी भी कर्मचारी को चोट नहीं आई।

कनाडा में जंगल की आग से जुड़े 3 फोटोज : कनाडा में 838 जगहों पर आग लगी : घटना के बाद सीएन रेलवे ने एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाके में सभी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। कंपनी ने आर्मस्ट्रॉन्ग कस्बे के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। यह इलाका उत्तर-पश्चिमी ओंटारियो में जंगल की आग से प्रभावित है। कनाडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर के अनुसार, इस समय पूरे कनाडा में 838 जगहों पर जंगलों में आग लगी हुई है। वहीं अमेरिका की सीमा से लगे मिनेसोटा राज्य में भी एक दर्जन से ज्यादा जंगलों में आग जल रही है। इसकी वजह भीषण गर्मी, सूखा और तेज हवाएं बताई गई हैं। प्रदेश में करीब 150 जगहों पर जंगल की आग जल रही हैं। कई समुदायों में अनिवार्य निकासी के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में प्रतिबंधित अग्नि क्षेत्र लागू कर दिया है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा आपातकालीन जरूरत का सामान तैयार रखने की अपील की है।

कनाडा का टोरंटो दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना : कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो शहर में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो गई, जिसके बाद अधिकारियों ने लोगों को घर के अंदर रहने और बाहर निकलने पर ज्यादा शारीरिक मेहनत से बचने की सलाह दी। वैश्विक एयर क्वालिटी पर नजर रखने वाली कंपनी आईक्यूएयर ने बुधवार को टोरंटो को दुनिया का सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बताया। इस सूची में टोरंटो के बाद किंशासा, दिल्ली, दुबई और यरुशलम का स्थान रहा। खराब हवा के कारण टोरंटो में बुधवार को इंग्लैंड और अर्जेंटीना के विश्व कप मैच के लिए आयोजित खुले मैदान के फैन इवेंट रद्द कर दिए गए। बच्चों के लिए बनाए गए खुले पानी के पूल भी बंद कर दिए गए।

अमेरिका की तरफ बढ़ रहा जंगल का धुआं : उधर जंगलों की आग का धुआं अब अमेरिका की ओर भी बढ़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार से इसका असर अमेरिका के कई इलाकों में दिखाई देना शुरू हो गया है। हालांकि भीषण गर्मी का दौर अब धीरे-धीरे कम हो रहा है और विस्कॉन्सिन तथा मिनेसोटा राज्यों में जारी हीट वेव की चेतावनी गुरुवार रात तक समाप्त होने की उम्मीद है। इसके बावजूद विशेषज्ञों का कहना है कि खराब हवा का असर लाखों लोगों पर पड़ेगा। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

कनाडा की पर्यावरण एजेंसी ने चेतावनी दी है कि धुएं के कारण आंखों, नाक और गले में जलन, सिरदर्द और हल्की खांसी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। गंभीर मामलों में सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ या तेज खांसी हो सकती है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी गई है। धुएं का असर अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर तक भी पहुंच गया है। रविवार को न्यू जर्सी में फीफा विश्व कप फाइनल होना है, लेकिन उससे पहले ही न्यूयॉर्क और आसपास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से बाहर ज्यादा मेहनत वाले काम न करने और जरूरत पड़ने पर बीच-बीच में आराम करने की सलाह दी है।

बलूचिस्तान में बीएलए ने उड़ाई पाक सेना की बस; 45 सैनिकों की मौत का दावा, शहबाज-मुनीर के उड़े होश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा स्थिति बेकाबू होती जा रही है। प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने मस्तुंग जिले के खडकोचा इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक बड़े काफिले पर घातक हमला किया है। संगठन के मुताबिक, इस हमले में 45 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

'फतह स्क्वाड' का खूनी अभियान : बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच के अनुसार, इस हमले को संगठन की विशेष 'फतह स्क्वाड' ने अंजाम दिया है। हमलावरों ने न केवल सैन्य बस को बम से उड़ाया, बल्कि मौके पर पहुंची अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियों के साथ भी घंटों तक खूनी मुठभेड़ की। संगठन का दावा है कि संघर्ष में दर्जनों सैनिक घायल हुए हैं और मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इन मौतों की पुष्टि नहीं की है।

दशकों पुरानी नाराजगी : बलूचिस्तान में जारी इस संघर्ष की जड़ें दशकों पुरानी हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि उनका प्रांत खनिज संसाधनों से समृद्ध है, लेकिन इस्लामाबाद की सरकार उनके संसाधनों को पंजाब और अन्य प्रांतों के विकास के लिए लूट रही है। बलूच लोग इस लड़ाई को अपनी आजादी और प्राकृतिक संपदा को बचाने का संघर्ष मानते हैं, जबकि पाकिस्तान इन्हें भारत और अफगानिस्तान समर्थित आतंकी गुट करार देता है। संकट केवल बलूचिस्तान तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (क्क्ष्छ्य) में भी स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिख रही है। यहां पाकिस्तान से आजादी की मांग को लेकर विभिन्न हिस्सों से विरोध प्रदर्शनों का कारवां निकल रहा है। इस बढ़ती बगावत को कुचलने के लिए पाकिस्तान सरकार ने क्क्ष्य में 8,000 अतिरिक्त रेंजर्स की तैनाती की है। पाकिस्तानी सेना या सरकार की ओर से अभी तक इन दावों और मौतों के आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट और क्क्ष्य में जारी विरोध प्रदर्शनों से जूझ रहा है। इन हमलो ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि संसाधनों की कमी और आंतरिक विद्रोह पाकिस्तान को एक बड़े विखंडन की ओर धकेल रहे हैं।

गणेश के आत्मदाह से हिली नेपाल सरकार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू की सड़कों पर इन दिनों भारी उबाल है। वजह है 25 साल के एक युवक की दर्दनाक मौत, जिसने सिस्टम की बेरुखी और कर्ज के तनाव में आकर सरेआम खुद को आग के हवाले कर दिया। गणेश नेपाली नाम का यह युवक अब बालेन्द्र शाह सरकार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों का सबसे बड़ा चेहरा बन गया है। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए हैं कि बढ़ते बवाल को देखते हुए चल रहे संसद सत्र तक को स्थगित करना पड़ा है। जेन-जी यानी युवा वोटर्स के भारी समर्थन से महज चार महीने पहले सत्ता में आई बालेन्द्र शाह की सरकार के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा संकट बन गया है। घटना 10 जुलाई की है। गणेश नेपाली एक राइड-शेयरिंग ऐप के लिए बाइक चलाकर अपने परिवार का पेट पालता था। काठमांडू में पासपोर्ट विभाग के बाहर कथित तौर पर रास्ता ब्लॉक करने के आरोप में पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल के पहियों पर क्लैंप लगा दिया। मोटरसाइकिल ही उसकी रोजी-रोटी का इकलौता साधन थी। इस बात पर उसकी एक अधिकारी से तीखी बहस हो गई और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस की इस कार्रवाई से गणेश इस कदर टूट गया कि उसने अपनी ही बाइक से पेट्रोल निकाला, खुद पर छिड़का और आग लगा ली। 60% से ज्यादा जल चुके गणेश को तुरंत एक टॉप अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन जिंदगी और मौत के बीच एक दिन की जंग लड़ने के बाद उसने दम तोड़ दिया। गणेश का परिवार नेपाल के एक बेहद पिछड़े इलाके 'मुगु' से आता है। उसके माता-पिता सीमांत किसान हैं जो सरकारी पेंशन के सहारे गुजर-बसर करते हैं। बड़े भाई मदन नेपाली के मुताबिक गणेश ने यह बाइक लोन पर ली थी और उसकी अगली किस्त की तारीख बेहद करीब थी। पुलिस द्वारा बाइक जब्त किए जाने के बाद उसे किस्त चुकाने और परिवार पालने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था, जिससे वह गहरे तनाव में चला गया। दोनों भाई दलित समुदाय से हैं। मदन खुद सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा धारक होने के बावजूद काठमांडू में मजदूरी करने को मजबूर है। दोनों भाइयों का सपना पैसे जोड़कर खाड़ी देशों और फिर जापान या दक्षिण कोरिया जाने का था। इस घटना के बाद नेपाल में पहले से चल रहे कई विरोध प्रदर्शनों को और हवा मिल गई।

चीन ने चुराया 22 करोड़ वोटर्स का डेटा, चुनाव में सेंधमारी; डोनाल्ड ट्रंप ने लगाया बड़ा इल्जाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चीन पर बड़ा इल्जाम लगाया है। गुरुवार को ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में एक बार फिर चीन की दखलअंदाजी का दावा किया। उन्होंने इसे साबित करने के लिए कुछ संवेदनशील खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की बात कही है। खास बात यह है कि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के दावे के बिल्कुल उलट है। खुफिया एजेंसियों ने साफ किया था कि 2020 के चुनावों में चीन की दखलंदाजी के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं।

बता दें कि ट्रंप का यह 25 मिनट का संबोधन आगामी नवंबर में होने वाले मिडटर्म इलेक्शन से ठीक पहले आया है। इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के सामने संसद के दोनों सदनों में अपना बहुमत बचाने की बड़ी चुनौती है। इससे पहले ट्रंप ने चुनावी धांधली को लेकर एक बात फिर बहस छेड़ दी है।

चीन ने चुराया 22 करोड़ वोटर्स का डेटा : डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उनके द्वारा सार्वजनिक की गई संवेदनशील जानकारियों से पता चलता है कि चीन ने अवैध रूप से 22 करोड़ अमेरिकी मतदाताओं की फाइलें हासिल कर ली थीं। ट्रंप के मुताबिक इन फाइलों में मतदाताओं के नाम, पते और वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए इस्तेमाल होने वाला अन्य डेटा शामिल था। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी से जुड़े लोगों ने चीन की इन गतिविधियों की गंभीरता से जुड़ी जानकारियों को जानबूझकर दबाया और छिपाया। ट्रंप के इस भाषण से पहले ही चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू चांग ने अपनी प्रतिक्रिया में साफ कहा, 'चीन ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में कभी हस्तक्षेप नहीं किया है और न ही कभी करेगा।' हालांकि ट्रंप के इस कदम से दोनों देशों के उन रिश्तों में फिर से खटास आने का खतरा पैदा हो गया है। इससे पहले पिछले साल ट्रेड वॉर के बाद संबंध अभी पटरी पर लौटने के संकेत मिले थे। ट्रंप बीते दिनों व्यापार संबंधों को सुधारने के लिए खुद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने चीन भी पहुंचे थे। हालांकि अब उनके इस दावे से बात बिगड़ सकती है। दूसरी तरफ, अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने भी ट्रंप का दावा खारिज किया है। हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमेटी ऑन इंटेलिजेंस के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने कार्यवाहक राष्ट्रीय खुफिया निदेशक बिल पुल्टे, FBI, CIA और हुब्र के प्रमुखों को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चेतावनी दी कि ट्रंप को चुनावी सुरक्षा के बारे में झूठे दावों का समर्थन करने के लिए खुफिया जानकारियों को हथियार बनाने की अनुमति न दी जाए। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने भी आरोप लगाया कि इसके जरिए ट्रंप सरकार नवंबर के चुनावों में हेरफेर करने की कोशिश कर सकता है। गौरतलब है कि जनवरी 2025 में दोबारा सत्ता में लौटने के बाद से ही ट्रंप चुनावों पर केंद्रीय नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप हाल के महीनों में सीनेट के रिपब्लिकन सदस्यों पर 'सेव अमेरिका एक्ट' पारित करने का भी दबाव बना रहे हैं।

यूएस की कार्रवाई का ईरान ने दिया करारा जवाब, बहरीन-कुवैत पर ताबड़तोड़ हवाई हमले, खाड़ी देशों में मचा हड़कंप

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक बार फिर बारूद के ढेर पर बैठा नजर आ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी वर्चस्व की जंग ने अब एक खतरनाक मोड़ ले लिया है। कल गुरुवार को अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के उत्तरी क्षेत्रों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पुलों पर भीषण हमले किए जाने के बाद, तेहरान ने भी अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। जवाब में ईरान ने आज शुक्रवार तड़के खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों बहरीन, कतर और कुवैत पर जबरदस्त हवाई हमले किए हैं।

शांति समझौता टूटा : हैरानी की बात यह है कि अभी कुछ ही समय पहले दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए एक शांति समझौता हुआ था, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में जारी सैन्य गतिविधियों और एक-दूसरे के खिलाफ अविश्वास ने इस समझौते को चंद दिनों में ही मटियामेट कर दिया। अमेरिका ने बुधवार को ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी फिर से लागू कर दी, जिससे हालात बेकाबू हो गए। अमेरिकी अधिकारियों का तर्क है कि वे ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के लिए हमलों का दूसरा दौर शुरू कर चुके हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, अमेरिकी हवाई हमलों में अब तक भारी तबाही हुई है। दक्षिणी होर्मुजगन प्रांत में पुलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों में कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि ताजा अमेरिकी हमलों में अब तक 35 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और 300 से अधिक घायल हुए हैं। ईरान के कई प्रांत जैसे सेमनन, हमदान, खुजेस्तान और सिस्तान-बलूचिस्तान अमेरिकी हमलों की जद में आए हैं। बंदर अब्बास शहर के रिहायशी इलाकों और रेलवे जंक्शन पर हुए हमलों में भी कई लोग घायल हुए हैं।

ईरान ने दी बुनियादी ढांचे पर हमले की धमकी : ईरानी सेना के कर्नल इब्राहिम ज़ोलफ़गारी ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ईरान की अभेद्य 'रेड लाइन' है और इसमें किसी भी विदेशी दखल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ईरान ने धमकी दी है कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर उनके बिजली संयंत्रों या पुलों पर हमले जारी रहे, तो ईरान पूरे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हमला करेगा। इससे पहले होर्मुज के बंद होने से वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल देखा जा चुका है। इसी बीच रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने यमन के हूती विद्रोहियों को भी रेड सी के तेल मार्ग को बंद करने के लिए कहा है। यदि मौजूदा तनाव और बढ़ता है, तो दुनिया एक बार फिर भीषण ऊर्जा संकट की चपेट में आ सकती है। फिलहाल, खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और क्षेत्र में युद्ध के बादल घने होते जा रहे हैं।

जेलेंस्की ने किया नेतृत्व में बड़ा बदलाव सेरगी कोरेत्स्की बने यूक्रेन के नए प्रधानमंत्री

कीव, एजेंसी। रूस के साथ जारी भयंकर युद्ध के बीच यूक्रेन की राजनीति में एक बहुत बड़ा और बेहद अहम बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सबसे खास और ऊर्जा क्षेत्र के दिग्गज माने जाने वाले 48 वर्षीय सेरगी कोरेत्स्की देश के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। गुरुवार को यूक्रेन की संसद में हुए व्यापक मतदान के दौरान 289 सांसदों ने उनकी नियुक्ति को अपनी अंतिम और आधिकारिक मंजूरी दे दी। ऊर्जा क्षेत्र में महारत रखने वाले कोरेत्स्की की यह महत्वपूर्ण नियुक्ति जेलेंस्की सरकार के बड़े और रणनीतिक फेरबदल का एक प्रमुख हिस्सा है। इस बड़े बदलाव का मुख्य मकसद युद्ध के इस मुश्किल दौर में देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को और ज्यादा मजबूत करना है। राष्ट्रपति जेलेंस्की पिछले कुछ महीनों से सरकार के विभिन्न विभागों में लगातार बड़े स्तर पर कई कड़े फेरबदल कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आगामी सर्दियों में युद्ध प्रभावित देश को संभालने के लिए कोरेत्स्की सबसे सही और मजबूत विकल्प हैं। संसद में मतदान से ठीक पहले कोरेत्स्की ने भी देश की सुरक्षा व्यवस्था सुधारने और यूरोपीय संघ में शामिल होने की प्रक्रिया तेज करने की बात मजबूती से कही थी। संसद को संबोधित करते हुए नए प्रधानमंत्री ने सांसदों के सामने अपनी तीन सबसे बड़ी प्राथमिकताओं का विस्तार से खुलासा किया। उन्होंने कहा कि रूस के खिलाफ यूक्रेन की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करना उनकी सबसे पहली जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही युद्धग्रस्त देश में वापस आर्थिक स्थिरता लाना और यूरोपीय संघ में शामिल होने की प्रक्रिया को तेज करना उनका मुख्य लक्ष्य है।

कौन हैं नए पीएम सेरगी कोरेत्स्की : पेशे से इंजीनियर और अर्थशास्त्री सेरगी कोरेत्स्की अब तक किसी भी राजनीतिक दल या सत्ता की राजनीति से पूरी तरह से दूर रहे हैं। उनके पास सरकार चलाने का कोई पूर्व अनुभव नहीं है लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में उनका दो दशक का काम उन्हें खास बनाता है। वह मई 2025 से सरकारी ऊर्जा दिग्गज कंपनी नैफ्तोगाज के सीईओ के रूप में देश का गैस उत्पादन, आयात और वितरण पूरी तरह संभाल रहे थे। इससे पहले वह यूक्रेन की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी उक्रनाफ्टा के प्रमुख पद की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। अपने शुरुआती करियर में कोरेत्स्की ने वेस्टर्न ऑयल ग्रुप का नेतृत्व किया और कॉन्टिनम ग्रुप के सीईओ के तौर पर भी काम किया। उन्होंने देश की प्रमुख ईंधन स्टेशन चेन का भी सफल प्रबंधन किया जिससे उन्हें जमीन स्तर का बहुत अच्छा प्रबंधन अनुभव प्राप्त हुआ। पश्चिमी शहर लुत्स्क में जन्मे इस दिग्गज नेता ने निजी क्षेत्र में भी खूब हाथ आजमाया और अपनी एक सफल कॉफी चेन व्यवसाय भी शुरू किया था।

ट्रंप सरकार का बड़ा फैसला, विदेशी छात्रों के लिए अमेरिका में 4 साल की समय सीमा तय

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सरकार ने विदेशी छात्रों के लिए एक बहुत बड़ा और सख्त फैसला लिया है। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को एक नया अंतिम नियम जारी किया है जिससे पुरानी व्यवस्था खत्म होगी। दशकों पुरानी व्यवस्था के तहत विदेशी छात्र बिना किसी तय अंतिम तारीख के अमेरिका में रह सकते थे। लेकिन अब उनकी एंट्री सिर्फ एक तय समय सीमा के लिए ही होगी और उन्हें नए नियमों का पालन करना होगा।

इस नए फैसले का सीधा असर भारत समेत पूरी दुनिया से अमेरिका जाने वाले लाखों विदेशी छात्रों पर पड़ेगा। वीजा बढ़ाने के लिए अब छात्रों को केंद्र सरकार की एक अनिवार्य और बहुत ही कड़ी जांच से गुजरना पड़ेगा। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने बताया कि गैर-आप्रवासी वीजा की कई विशेष श्रेणियों के लिए नए नियम लागू होंगे। इस नियम से इमिग्रेशन सिस्टम में भारी सुधार लाने और वीजा के गलत इस्तेमाल को पूरी तरह रोकने की कोशिश है।

चार साल की समय सीमा : डीएचएस के अनुसार एफ, जे और आई श्रेणियों के लिए लागू 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' व्यवस्था अब खत्म कर दी गई है। विदेशी छात्रों और एक्सचेंज विजिटर्स को अब उनके स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार ही अमेरिका में रहने की अनुमति मिलेगी। यह अवधि अब अधिकतम चार साल तक की ही होगी जिससे ज्यादा समय तक कोई भी छात्र वहां नहीं रुक पाएगा। यह नीति ट्रंप प्रशासन की उस व्यापक कोशिश का अहम हिस्सा है जिसमें इमिग्रेशन नियमों को सख्त किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और जांच : डीएचएस सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा कि आधी सदी से चली आ रही पुरानी व्यवस्था ने राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया था। उन्होंने यह भी कहा कि इस पुरानी व्यवस्था की वजह से ही देश में इमिग्रेशन धोखाधड़ी के लिए बहुत सारे रास्ते खुले थे। कई विदेशी छात्र अमेरिका में बिना तय समय सीमा के रहते थे और बार-बार नए कोर्स में दाखिला लेकर बने रहते थे। अब समय सीमा तय होने से सरकार सुनिश्चित करेगी कि लोगों की जांच हो और वे अपनी पढ़ाई के बाद लौट जाएं।

वीजा बढ़ाने की नई प्रक्रिया : 1978 से विदेशी छात्रों को अमेरिका में रहने के लिए कोई तय अवधि नहीं दी जाती थी जिससे वे लंबे समय तक रुकते थे। नए नियम के बाद वीजा बढ़ाने का अधिकार अब शैक्षणिक संस्थानों की जगह सीधे संघीय सरकार के पास चला जाएगा। अगर किसी छात्र को कार्यक्रम पूरा करने के लिए ज्यादा समय चाहिए तो उसे यूएससीआईएस के पास आवेदन करना होगा। इस नई प्रक्रिया में बायोमेट्रिक जांच, सख्त बैकग्राउंड चेक और किसी भी तरह की धोखाधड़ी की पूरी जांच शामिल होगी।

नियम लागू होने की शर्तें : इस नियम के तहत एफ-1 छात्रों के लिए कॉलेज या स्टेटस बदलने के बाद अमेरिका छोड़ने की छूट घटा दी गई है। यह छूट की अवधि पहले 60 दिन थी जिसे अब घटाकर मात्र 30 दिन कर दिया गया है जिससे नियम सख्त हो गए हैं। डीएचएस ने बताया कि यह अंतिम नियम फेडरल रजिस्टर में जल्द प्रकाशित होगा और 60 दिन बाद पूरी तरह लागू होगा। जो विदेशी छात्र पहले से वहां रह रहे हैं उनका प्रवास भी नियम लागू होने की तारीख से चार साल तक सीमित होगा।

मन की साधना

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

जानकारी

सोने से पहले पैरों की मालिश करना कई वजहों से फायदेमंद

सिर पर तेल की मालिश लंबे समय से सिरदर्द के इलाज, तनाव को कम करने और थकान के प्रभावी उपचार के लिए एक आसान और बेहतर उपाय है। आज बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, जिनके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं कुछ लोग एक थका देने वाले सप्ताह के बाद आराम करने के लिए बॉडी मसाज का भी सहारा लेते हैं। चाहे वह त्वचा हो या बाल, विभिन्न प्रकार के तेल हमेशा एक बेहतर इलाज के विकल्प बने रहते हैं। शारीरिक गतिविधियों और व्यस्त कार्यक्रम से पैरों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। दर्द को ठीक करने का सबसे सरल उपचार है कि आप आराम से पैर की मालिश करें। वहीं पैर की मालिश से सिर्फ आपके पैरों को ही आराम नहीं मिलता, बल्कि इसके कई और स्वास्थ्यकारी फायदे भी हैं। नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. निलोफर उस्मान खान नियमित रूप से सोने से पहले 10 से 15 मिनट तक पैरों की मालिश करने के कई फायदे बताती हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

जोड़ों के दर्द के लिए मालिश फायदेमंद

सोने से पहले पैरों की तेल मालिश उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है, जो नियमित रूप से जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। बस तेल लगाना और दर्दनाक जोड़ों की मालिश करना सबसे अच्छा घरेलू उपाय है, जो कष्टदायी दर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। दर्दनाक जोड़ों पर तेल की मालिश का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे थोड़ा गर्म किया जाए। गुनगुना तेल न सिर्फ जोड़ को मजबूत बनाता है बल्कि दर्द और परेशानी से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से तेल की मालिश हड्डियों में विकृति से छुटकारा पाने के लिए भी एक अच्छा उपाय है। यही कारण है कि नवजात शिशुओं के लिए तेल की मालिश बहुत जरूरी है।

पीएमएस के दौरान मिलता है आराम

पीएमएस यानी कि प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम। यह समस्या लाखों महिलाओं को सताती है। महिलाओं को पता है कि वे पीएमएस के दौरान काफी कर्कश हो जाती हैं। साथ ही उन्हें सोने में परेशानी है और कमर में दर्द का भी सामना करना पड़ता है। पीएमएस की वजह से होने वाले दर्द और कर्कशता से राहत पाने के लिए कोई दवा पर्याप्त नहीं है। पर इसमें पहले पैरों की मालिश काम आ सकती है। इसके लिए आप सरसो के तेल को गर्म करके तलवों में और पैरों में लग सकती हैं। इसके अलावा इसे आप अपनी कमर में भी लगा सकती हैं। इस तरह ये आपको काफी आराम पहुंचाएगा। साथ ही साथ आपका माथा भी ठंडा कर देगा और आप स्ट्रेस फ्री फील करेंगी।

ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

हमारे शरीर में ब्लड कई अंगों को ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। सोने से पहले कुछ मिनट पैर की मालिश करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पैर और तलवों में कई सारे प्रेशर प्लाइंट्स है, जिन्हें तेल मसाज से फायदा मिलता है। इस तरह तेल मसाज करने से आपको कुछ ही समय में तनाव से छुटकारा मिल सकता है। यह न केवल आपको आराम देता है बल्कि नींद को प्रेरित करता है। साथ ही, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान की संभावना को कम करने के लिए उचित रक्त परिसंचरण के लिए भी जरूरी है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आप पाएंगे कि तेल मालिश से आपके पूरे शरीर को आराम मिल रहा है।

लो ब्लड प्रेशर का बेहतर इलाज

शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आप उन लोगों में से हैं, जिनका शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, तो अपने ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें। कारणों और अन्य कारकों के आधार पर लो ब्लड प्रेशर को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। इन कारकों में मानसिक विकार, खाने के बाद तंत्रिका तंत्र को नुकसान, और यहां तक किसी चीज की कमी के कारण भी अचानक खड़े होने से आपको लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले 10 मिनट के लिए अपने पैरों की मालिश करें। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को नियंत्रित करेगा, जिससे एक आरामदायक नींद आएगी और धीरे-धारे आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो जाएगा।

माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की सच्चाई

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों में गंभीर सिरदर्द के साथ-साथ मतली, उल्टी और लाइट के प्रति सेंसिटिविटी के साथ इसे संदर्भित किया जाता है। औसतन लोगों में माइग्रेन का दर्द 4 घंटे से 3 दिनों तक रहता है और कभी-कभी अधिक समय तक के लिए भी बढ़ सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में माइग्रेन आम तौर पर अधिक पाया जाता है। माइग्रेन के कारणों में लाइफ स्टाइल के अलावा भी कई और वजह हैं। वहीं माइग्रेन के कारण मस्तिष्क में परिवर्तन के साथ-साथ परिवारों में चलने वाले जीन से संबंधित भी हो सकते हैं। आप इसे इनहेरीटेड ट्रिगर भी कर सकते हैं, जो आपको थकान, तेज रोशनी, सिरदर्द, मौसम परिवर्तन और अन्य जैसे कई कारणों से माइग्रेन देता है। पर आम लोगों में माइग्रेन से जुड़े कुछ मिथक या कहें कि भ्रम भी हैं। आइए आज हम आपको इन मिथकों से जुड़े कुछ तथ्य भी बताते हैं।

आम लोगों में माइग्रेन को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं, जिस पर भरोसा करने से पहले आप उसके पीछे के साइंस और अपने डॉक्टर की राय जरूर जान लें।

माइग्रेन के जुड़े 4 मिथक और उनके पीछे के तथ्य

मिथक 1

सिर्फ सिरदर्द है माइग्रेन

अक्सर लोगों को लगता है कि माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल बहुत से लोगों को लगता है कि माइग्रेन एक तरह का तेज सिरदर्द होता है, जबकि साइंस की मानें, तो माइग्रेन में सिरदर्द सिर्फ एक लक्षण है, जबकि इसके कई और भी लक्षण हैं। सिरदर्द के साथ-साथ, माइग्रेन में मतली, लाइट के प्रति सेंसिटिविटी, एकाग्रता में कठिनाई, चक्कर, कमजोरी, उल्टी और चेतना की हानि का कारण बनता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क में कभी-कभी कार्यात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके अलावा, माइग्रेन की कई और विशेषताएं भी हैं। सिरदर्द विकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण ढांचा है, जिसका उपयोग डॉक्टर सिरदर्द के दर्द को मापने के लिए कर सकते हैं और अमेरिकन माइग्रेन फाउंडेशन ने माइग्रेन से पीड़ित लोगों को इसे निर्धारित करने में कई मापदंड बनाए हैं। माइग्रेन सिर दर्द से अलग है, क्योंकि इसकी अवधि, गंभीरता और लक्षण इसे कई और तरह से अलग करते हैं।

मिथक 2

कैफीन ही माइग्रेन का कारण है

हमेशा कैफीन माइग्रेन का कारण नही होता है, बल्कि कैफीन कुछ सबसे प्रभावी सिरदर्द दवाओं में पाया जाता है। कई रोगियों के लिए कॉफी या सोडा जैसे कैफीनयुक्त पेय सिर दर्द को कम करने में मदद करता है। आपके लिए कैफीन दैनिक सिरदर्द में भी कारगार साबित हो सकता है। इसके अलावा भी कैफीन के कई और नुकसान हो सकते हैं, माइग्रेन ही अकेला क्यों? दरअसल बात ये है कि सभी को कैफीन से जुड़ी ये कोई भी चीज एक नियमित मात्रा में ही लेनी चाहिए। इसके अलावा अपने बाकी जीवनशैली का ख्याल रखें, क्योंकि कुछ प्रमाण हैं कि बार-बार माइग्रेन होने के पीछे न्यूट्रास्युटिकल कारण हो सकते हैं। इसके अलावा आपके खाने से मिलने वाले कुछ पदार्थों में राइबोफ्लेविन (विटामिन -बी 2) कोएंजाइम और मैग्नीशियम भी कारण हो सकते हैं। इसके लिए किसी भी डॉक्टर या सिरदर्द विशेषज्ञ से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इसके इलाज में पूरक आहार को सर्वोत्तम रूप से कैसे और किस तरह से लें।

माइग्रेन से बचने का उपाय

आमतौर पर माइग्रेन को ट्रिगर में अल्कोहल, ग्लूटेन, मोनोसोडियम ग्लूटामेट और हिस्टामाइन युक्त खाद्य पदार्थ, डार्क चॉकलेट आदि शामिल हैं, तो इसे ठीक करने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि हर रोगी के शरीर में भोजन की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोग के लिए सबसे अच्छा उपाय ये हैं, अपने माइग्रेन को ट्रिगर्स करने वाले कारणों को जानें और ज्यादा से ज्यादा उससे बचने की कोशिश करें। इसके साथ ही स्ट्रेस, गलत जीवनशैली और देर रात तक जागने की आदत पर कंट्रोल करने की कोशिश करें।

मिथक 3

केवल महिलाओं और वयस्कों को माइग्रेन होता है

माइग्रेन बच्चों को भी हो सकता है। वास्तव में, पांच साल से छोटे बच्चे माइग्रेन के सिरदर्द का अनुभव कर सकते हैं। वे पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन, एपिसोडिक भ्रम, गंभीर चक्कर आना, एकाग्रता में कठिनाई और अत्यधिक थकान महसूस कर सकते हैं। महिलाओं को माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है, लेकिन पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित होते हैं, जैसे कि 18-20 प्रतिशत महिलाएं, तो 8-10 प्रतिशत पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित हैं। इसलिए किसी विशेष आयु वर्ग और लिंग को किसी भी बीमारी से जोड़ना गलत है।

मिथक 4

माइग्रेन को ठीक करने के लिए लें ज्यादा से ज्यादा दवाइयां

दुर्भाग्य से, व्यक्तिगत तौर पर माइग्रेन के इलाज के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा दवाइयों की मदद लेने के बारे में सोचते हैं। हालांकि ये गलत है। दवाईयां वास्तव में इसे बदतर बना सकती है। माइग्रेन के साथ रहने वाले कुछ लोग 'रिबाउंड सिरदर्द' की शिकायत करते हैं, लेकिन उस घटना के लिए चिकित्सा शब्द 'मेडिकेशन ओवर्यूज सिरदर्द' है। तीव्र माइग्रेन के दर्द का इलाज करने के लिए बहुत अधिक दवा लेने से भविष्य में अधिक लगातार और अधिक गंभीर माइग्रेन के होने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां तक कि इसका इलाज करना और अधिक कठिन हो सकता है।

सेहत

रात में केला खाने से नहीं होता कोई नुकसान

वैसे तो लोग सभी फ्रूट्स को सेहतमंद मानते हैं, लेकिन कुछ फ्रूट्स ऐसे होते हैं, जो हमारे लिए काफी फायदेमंद होते हैं। केला एक ऐसा ही फल है, जो पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में खाया जाता है। केले में बहुत से जरूरी न्यूट्रीएंट्स और विटामिन मौजूद हैं, जो हमारे शरीर में कई तरह की पूर्ति करता है। येलो फ्रूट्स में फाइबर, पोटैशियम, मैगनेशियम, कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं। यह हमारे वजन को कम करने के साथ ही हमारे हार्ट को भी स्वस्थ रखता है, लेकिन कई लोग मानते हैं की केले का रात में सेवन करने से सर्दी और खासी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नींद को और अच्छा बनाने में मददगार है येलो फ्रूट्स

रात में केले का सेवन करने से कोई परेशानी हो सकती है या नहीं इसका कोई साइंटिफिक प्रूफ सामने नहीं आया है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक केले का सेवन रात में करने से कई तरह की दिक्कत हो सकती है। जैसे की सर्दी होना या फिर गला बंद हो सकता है। फ्रूट्स की बात करें तो केला एक ऐसा फ्रूट है, जो भारी मात्रा में हमें स्वस्थ रखने का काम करता है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक, रात में केले का सेवन करना सही नहीं। रात में केले का सेवन करना इसलिए हानिकारक है, क्योंकि रात के समय हमारे शरीर में मैटाबॉलिसम कम होता है जिससे केला हमारे पेट में कई दिक्कतें पैदा करता है।

अध्ययन में इस बात का पता चला कि येलो फ्रूट्स में कई तरह के जरूरी न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो हमारी नींद को और अच्छा बनाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अगर नींद के लिए किसी गोली या दवाई का सेवन कर रहे हैं तो आप उन दवाई को छोड़कर रात में पहले केले का सेवन कर सकते हैं। एक केले में लगभग 105 कैलोरी होती है। आप रात में 500 से कम कैलोरी का सेवन करना चाहते हैं तो, दूध के साथ 2 केले खाना आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आधी रात में मीठा खाने की इच्छा होने लगे तो केला खा लें। केले की मिठास आपकी लालसा को दूर करने में मददगार साबित होती है।

यदि आप शाम के समय में एक्सरसाइज करने के बाद केला खाते हैं, तो लाभदायक होगा। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग मसालेदार फूड ज्यादा खाते हैं। उनके लिए रात में केला खाना फायदेमंद है। दरअसल, ज्यादा मसाले वाली चीजें खाने से सीने में जलन होने लगती है, लेकिन रात में एक केला खाने से जलन की समस्या दूर हो सकती है। इसके साथ ही मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा के कारण केला आसानी से पच जाता है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है।

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह ब्लड सर्कुलेशन और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में कारगर होता है। केले में खास तरह के प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो खाने से कैल्शियम को मात्रा को सोखते हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाती है और उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियों से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं को भी दूर रखती है। अगर आप फिर भी रात में केले का सेवन नहीं छोड़ना चाहते तो आप उसका सेवन कर सकते हैं, क्योंकि केले का सेवन रात में करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता, लेकिन कभी कभी आपको इसका त्याग करना जरूरी है। आप जब सर्दी, खासी, अस्थमा या फिर वजन कम कर रहे हों तो आपको केले का सेवन छोड़ना होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेंगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपादंक: मोहम्मद दानिश फारूकी,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3952

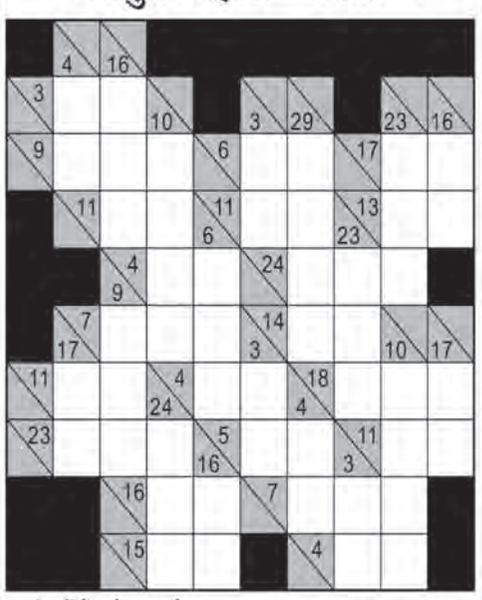

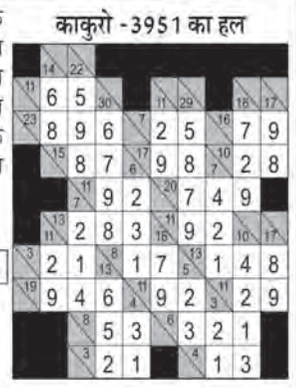

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़े हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः 1+2=3, 1+3=4, 7+9=16, 8+9=17

काकुरो -3951 का हल

लॉफिंग जोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

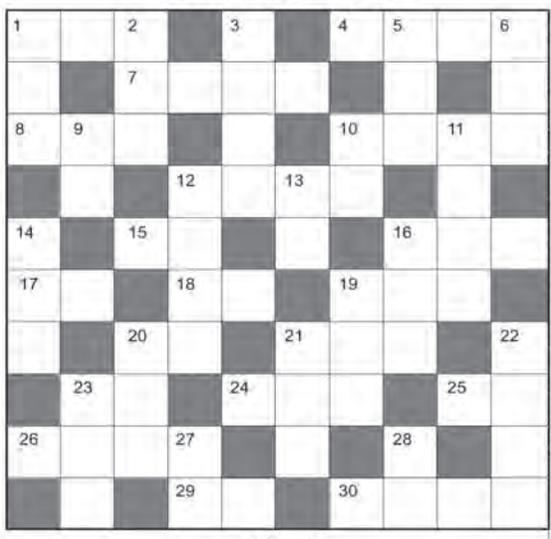

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3952

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२,२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला को फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3951

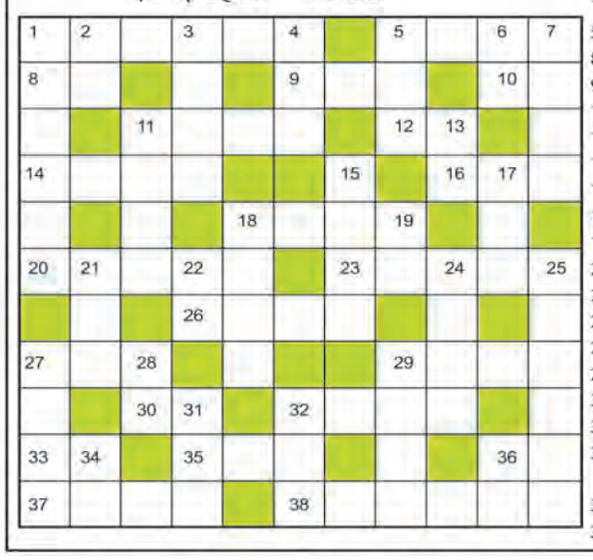

सुडोकु -3952

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सुडोकु -3951 का हल

शब्द पहेली - 3952

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली -3951 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी